राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 14 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-145 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार की तरह पूरे देश में जांची जाएंगी वोटर लिस्ट

-सुप्रीम कोर्ट में 28 जुलाई की सुनवाई के बाद फैसला होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग बिहार के बाद अब पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराने जा रहा है। इसके तहत वोटर लिस्ट की गहनता से जांच की जाती है और अपडेट किया जाता है। अगस्त से इसकी शुरुआत हो सकती है। चुनाव आयोग ने सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी एक्टिव कर दी है। आयोग का ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 जुलाई को बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को जारी रखने की परमिशन पर आया। कोर्ट ने इसे संवैधानिक बताया था। हालांकि, कई विपक्षी दल और लोग इस रिवीजन के खिलाफ हैं। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। दावा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चलते योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर अंतिम फैसला लेगा। क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है। वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की चीन यात्रा: तनावपूर्ण संबंधों में फिर संवाद की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार को तीन दिवसीय दौरे पर चीन रवाना हो रहे हैं, जहां वे तियानजिन में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और चीन के बीच 2020 की गलवान झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंधों में तनाव बना हुआ है। यहां बताते चलें कि जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुलाकात हो चुकी है, लेकिन गलवान के बाद यह पहली बार है जब वे चीन की जमीन पर आमने-सामने होंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच संवाद बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत-चीन संबंधों में गतिरोध को खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशें पहले भी हो चुकी हैं। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पांच वर्षों बाद पहली द्विपक्षीय मुलाकात हुई थी। उस बैठक में पीएम मोदी ने स्पष्ट किया था कि भारत-चीन संबंधों की बुनियाद आपसी सम्मान, भरोसा और संवेदनशीलता पर टिकी होनी चाहिए। उसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी बीजिंग का दौरा कर कई जटिल मुद्दों पर चर्चा की। बीते महीने बीजिंग में हुई एससीओ की सुरक्षा परिषद सचिवों की बैठक में अजीत डोभाल ने आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए और पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों – लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा और आईएसआईएस – के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की थी।

म्यांमार बॉर्डर पर उल्फा कैंप पर ड्रोन हमले का दावा, सेना ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) द्वारा म्यांमार सीमा पर भारतीय सेना द्वारा कथित ड्रोन अटैक के दावे ने रविवार को हलचल मचा दी। संगठन ने आरोप लगाया कि 150 से अधिक ड्रोन का उपयोग करते हुए उनके कई मोबाइल कैंपों पर हमला किया गया, जिसमें उनके सीनियर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल नयन असोम सहित कई शीर्ष नेता मारे गए। लेकिन भारतीय सेना और असम सरकार ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उल्फा ने दावा किया कि हमला रविवार तड़के म्यांमार सीमा के भीतर ड्रोन और मिसाइलों से किया गया। इसमें लेफ्टिनेंट जनरल नयन असोम, ब्रिगेडियर गणेश असोम, कर्नल प्रदीप असोम की मौत हो गई। वहीं लगभग 19 कैडर घायल बताए गए हैं। कथित रूप से 150 से ज्यादा ड्रोन इस्तेमाल किए जाने का दावा किया गया है। उल्फा संगठन ने दो प्रेस विज्ञप्तियां जारी करते हुए उक्त कथित हमलों की जानकारी दी और भारत पर आरोप लगाए हैं।

भारतीय सेना का जवाब – इस मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत (रक्षा प्रवक्ता) ने कहा, कि ऐसे किसी ऑपरेशन की कोई जानकारी नहीं है। असम राइफल्स और अन्य सैन्य एजेंसियों ने भी म्यांमार में किसी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की। वहीं असम पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा, कि राज्य की धरती से कोई हमला नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि उल्फा का दावा भले ही सनसनीखेज हो, लेकिन अब तक कोई स्वतंत्र पुष्टि या सबूत सामने नहीं आए हैं। भारतीय सेना और असम सरकार का इनकार यह दर्शाता है कि या तो यह दावा झूठा है, या फिर यह डिनायबिलिटी रणनीति के तहत गुप्त ऑपरेशन को छिपाने की कोशिश हो सकती है। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय और सैटेलाइट इंटेलिजेंस से मिल सकने वाले संकेत, इस पूरे घटनाक्रम की सच्चाई को उजागर कर सकते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में पीछे से घुसी मिनी बस, 4 की मौत, कई घायल

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में रविवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चंबल पुल के पास एक तेज रफ्तार मिनी बस ने आगे जा रहे ट्रक में पीछे से जा टकराई, जिससे एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। बस में इंदौर से सगाई समारोह में शामिल होकर लौट रहा करौली का एक परिवार सवार था। पुलिस और चश्मदीदों के मुताबिक हादसा सुबह करीब 5 बजे बुढ़ादित थाना क्षेत्र में हुआ। बताया जा रहा है कि मिनी बस चालक को झपकी आ गई, जिससे बस नियंत्रण खो दिया और बस आगे चल रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। जिससे 4 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

चार हस्तियां जाएंगी राज्यसभा

-राष्ट्रपति ने सदस्यों को किया नॉमिनेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम, 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाई-प्रोफाइल मामलों में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रहे हैं। इनके अलावा, केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जाएंगी। ये नियुक्तियां उन सीटों के लिए की गई हैं, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत, राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को नॉमिनेट करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिसमें 233 निर्वाचित और 12 नामांकित सदस्य शामिल हैं।

राष्ट्रपति ने चार हस्तियों को किया राज्यसभा के लिए नामित, पीएम ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार हस्तियों को राज्यसभा के लिए नामित किया, जिनमें वरिष्ठ अधिवक्ता उज्जवल निकम, केरल के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन शामिल हैं। पीएम मोदी ने इन सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर श्रृंखलाबद्ध पोस्ट किए, जिनमें सभी नामांकित सदस्यों के बारे में बताते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। पीएम ने उज्ज्वल निकम की तारीफ की कि कानून के क्षेत्र और संविधान के प्रति उनकी निष्ठा अनुकरणीय है। उन्होंने लिखा कि वह न केवल एक सफल वकील रहे, बल्कि अहम मामलों में न्याय दिलाने की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका भी निभाते रहे हैं। अपने पूरे विधिक करियर के दौरान उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों को गरिमा के साथ न्याय दिलाने का कार्य किया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

सोनिया गांधी ने बुलाई बैठक : संसद में सरकार को घेरने की बनेगी रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अब केंद्र सरकार से दो-दो हाथ करने के मूड में दिखाई दे रही है। इस बार के मानसून सत्र में इसकी झलक दिखाई दे सकती है। केंद्र की मोदी सरकार को कैसे कब और किन मुद्दों पर घेरना है, इसके लिए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 15 जुलाई को बैठक बुलाई है। बैठक में विस्तृत रणनीति तय होगी और सांसदों क्या बोलना और क्या नहीं बोलना है इसकी नसीहत भी दी जाएगी।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने के वास्ते मंगलवार को एक अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता पतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी अपने 10 जनपथ स्थित आवास पर करेंगी। संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है क्योंकि कांग्रेस पार्टी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की योजना बहा रही है। विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम पर कड़ी आपत्ति जता सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है।

सरकार, 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम' और 'परमाणु ऊर्जा अधिनियम' में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने संबंधी केंद्रीय बजट की घोषणा पर अमल किया जा सके। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर रहा है।

यूपी में 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने से 14 की मौत, कई बांधों के खुले गेट

-मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं, प्रदेश के बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। ललितपुर में माताटीला बांध के 9 गेट खोले गए हैं, जबकि झांसी में पथराई बांध के चार और लहचूरा बांध के 10 गेट खोले गए हैं।

झारखंड के सरायकेला-खरसावां और लोहरदगा जिलों में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति झुलस गया। सभी खेत से काम करके घर लौट रहे थे। राज्य में बारिश का आज यानी रविवार को यलो अलर्ट जारी किया है। बिहार में शनिवार को रोहतास में बारिश हुई, यहां बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

वहीं मध्य प्रदेश में भारी बारिश के चलते रीवा, सतना और छतरपुर समेत पांच जिलों में बाढ़ के हालात हैं। खजुराहो में 9 घंटे में 6.3 इंच बारिश हुई। छतरपुर के नौगांव में 3.4 इंच पानी बरसा। चित्रकूट में लोगों का नाव से रेस्क्यू कराया गया। यहां बाणसागर डैम के 7 गेट खोले गए। बरगी डैम के पांच गेट खोले गए हैं। राजस्थान के झालावाड़, धौलपुर, करौली और अलवर में शनिवार को तेज बारिश हुई। झालावाड़ में 4 इंच से ज्यादा पानी बरसा। इस दौरान तीन बच्चे डूब गए, दो के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक की तलाश जारी है।

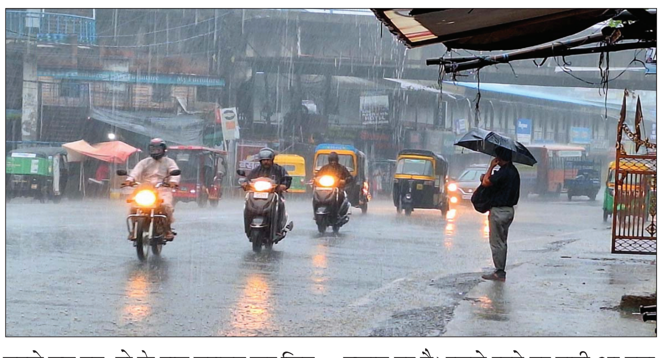

मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 21 राज्यों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश में बिजली गिरने का अलर्ट है। उत्तराखंड में बिजली गिरने के साथ-साथ अचानक बाढ़ आने और लैंडस्लाइड का भी अलर्ट है। मध्यप्रदेश के गुना में रविवार सुबह से करीब दो इंच बारिश हो चुकी है। पुरानी छावनी में सड़कों पर पानी भर गया है। लोग जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी बंद है। झांसी में भारी बारिश के चलते सिलगुवां गांव का नाला उफान पर है। इससे रपटे पर पानी आ गया और स्कूल गए बच्चे दूसरी ओर फंस गए थे।

झांसी के गुरसराय के सुट्टा गांव की पुख्खन देवी (65) ससोर नाले के पास अपने बेटे गजराज अहिरवार (45) के साथ बगिया में रहती हैं। शनिवार शाम को ससोर नाला उफना गया। इससे बगिया के चारों ओर पानी भर गया और मां-बेटे फंस गए। सूचना पर पूरा गांव मौके पर पहुंचा। पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। करीब 7 घंटे तक रेस्क्यू चला। गोताखोर नाव लेकर पहुंचे। रात करीब 2 बजे नाव में मां-बेटे और उनके पशुओं को बैठाकर सकुशल बाहर निकाला गया।

मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगियां जलकर खाक

52 बोगियों में डीजल भरा था, 40 अलग की गईं; तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन का इलाका खाली करवाया

तिरुवल्लूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरुआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। घटना रविवार सुबह 5.30 बजे हुई। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं।

जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलाई गईं। दोपहर तक मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाडियों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं।

तीसरे डिब्बे में सबसे पहले लगी थी आग

रेलवे ने एक बयान में बताया कि मालगाड़ी के तीसरे डिब्बे में आग लगने की खबर मिलते ही, लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए। तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने ओवरहेड (ओएचई) बिजली आपूर्ति बंद रोक दी। हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गई, आग 19वें डिब्बे तक फैल गई थी। इस हादसे के कारण चेन्नई को बैंगलोर, केरल और रेणुगुंटा/तिरुपति से जोड़ने वाले चेन्नई अरकोणम सेक्शन में रेल परिचालन स्थगित करना पड़ा। चेन्नई सेंट्रल से शुरू होने वाली या वहां तक जाने वाली 12 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, और कई अन्य ट्रेनों का या तो रूट बदल दिया गया या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया।

आग की घटना से ट्रेनों के समय में हुआ बदलाव

ट्रेन हादसे के कारण डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से रवाना होने वाली ट्रेनों सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं या प्रभावित हुईं। दक्षिण रेलवे ने एक बयान में कहा कि तिरुवल्लूर के पास आग लगने की घटना के कारण सुरक्षा उपाय के तौर पर ओवरहेड पावर बंद कर दिया गया है। इसके कारण ट्रेनों के समय में बदलाव किए गए हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे यात्रा से पहले लेटेस्ट अपडेट देख लें।

शहीद दिवस पर सरकार ने दिखाई सख्ती, नौहट्टा इलाके की सड़कें सील कर एनसी नेताओं को कर दिया नजरबंद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने 13 जुलाई शहीद दिवस के मौके पर श्रीनगर के संवेदनशील नौहट्टा इलाके की ओर जाने वाली सभी सड़कों को सील कर दिया। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए केवल अधिकारियों और सुरक्षाबलों के वाहनों को ही इन मार्गों से गुजरने की अनुमति दी गई। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने दावा किया कि उनके कई वरिष्ठ नेताओं को नजरबंद कर दिया गया।

शहर के ख्वाजा बाजार स्थित ऐतिहासिक शहीदों के कब्रिस्तान तक जाने के लिए हर साल की तरह इस बार भी एनसी ने श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनुमति मांगी थी, जिसे जिला प्रशासन ने अस्वीकार कर दिया। इसके बाद श्रीनगर पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सार्वजनिक परामर्श जारी कर नागरिकों को इन क्षेत्रों की ओर न जाने की सलाह दी। यहां पुलिस ने सख्त चेतावनी दी कि जिला प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा को देखते हुए श्रीनगर के सभी प्रवेश मार्गों पर भारी पुलिस बल और केंद्रीय अर्धसैनिक बल तैनात किए गए।

नजरबंदी और प्रतिबंध पर राजनीतिक दलों में उबाल, नेताओं का केंद्र सरकार पर तीखा वार

जम्मू-कश्मीर में 13 जुलाई को मनाए जाने वाले कश्मीर शहीद दिवस पर इस साल भी विवाद गहरा गया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रशासन ने इस दिन किसी भी तरह के कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी, जिसके चलते उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार के कई मंत्रियों, विधायकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं को या तो नजरबंद कर दिया गया या हिरासत में ले लिया गया। यह दिन 1931 में हुए नरसंहार की बरसी के तौर पर मनाया जाता है, जब ब्रिटिश शासन के अधीन तत्कालीन जम्मू-कश्मीर रियासत के शासक हरि सिंह के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग मारे गए थे। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने श्रीनगर के कई इलाकों में कडे प्रतिबंध लगाए और शहीदों के कब्रिस्तान की ओर जाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने प्रशासन के इस कदम की निंदा की है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि 13 जुलाई कोई आम दिन नहीं है, बल्कि यह न्याय और अधिकारों के लिए बलिदान देने वालों की स्मृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी लोग हर हाल में अपने शहीदों का सम्मान करते रहेंगे। सादिक ने दावा किया कि उन्हें और उनके कई सहयोगियों को शनिवार रात से नजरबंद कर दिया गया है। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई को अनावश्यक, अनुचित और असंवेदनशील बताया।

क्यों होता है शहीद दिवस

गौरतलब है कि 13 जुलाई 1931 को महाराजा हरि सिंह के शासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 22 कश्मीरियों की डोगरा सेना की गोलीबारी में मौत हो गई थी। इस घटना को कश्मीर के राजनीतिक इतिहास में निर्णायक मोड़ माना जाता है। एनसी और कुछ अन्य इसे शहीद दिवस के तौर पर मनाते हैं और गोलीबारी में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस बार प्रशासन की सख्ती को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है, और एक बार फिर यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के बीच संतुलन बना पाना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है?

पटना में दिनदहाड़े वकील की गोली मारकर हत्या, हमलावर हुए फरार, पुलिस जांच में जुटी

-सिलसिलेबार हत्याओं से कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में अपराध लगातार बेलगाम होता जा रहा है। राजधानी पटना के सुलतानगंज थाना क्षेत्र में रविवार को दिनदहाड़े 58 वर्षीय वकील जितेंद्र कुमार महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात न सिर्फ राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि पिछले कुछ दिनों में हुई सिलसिलेवार हत्याओं की कड़ी को और भी खतरनाक बनाती प्रतीत हो रही है।

जानकारी अनुसार हमलावरों ने वकील पर बेहद करीब से तीन गोलियां दागीं, जिनमें से दो खोखे मौके से पुलिस ने बरामद भी कर लिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पटना सिटी एएसपी अतुलेश झा और सुलतानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। एफएसएल की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है, ताकि वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए जा सकें और हमलावरों की पहचान की जा सके। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने बेहतद करीब से वकील जितेंद्र कुमार महतो पर गोलियां दागीं, जिससे वो बुरी तरह जख्मी हो गए। इलाज के लिए उन्हें करीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस तरह बिहार में अपराध बेलगाम होता नजर आया है, जिसे लेकर विपक्ष अब नीतीश सरकार के साथ ही केंद्र की मोदी सरकार को भी घेरने में लगा है।

सवाल उठ रहे हैं कि राजधानी में कानून का इकबाल कहां है, जब वकील, नेता और स्वास्थ्य अधिकारी तक सुरक्षित नहीं? क्या अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे दिनदहाड़े हत्या करके फरार हो रहे हैं? बार-बार हो रही इन वारदातों के बावजूद पुलिस की कार्रवाई सिर्फ पोस्टमार्टम और बयानबाजी तक सीमित क्यों है?

क्या कह रहा हत्या का यह सिलसिला?

अब एक हफ्ते में ही चार बड़ी हत्याएं हुईं हैं, इनमें– व्यवसायी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र केवट, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी सुरेंद्र कुमार और अब वकील जितेंद्र महतो की दिन दहाड़े हत्या कर हमलावर फरार हो चुके हैं। इन सबकी हत्याएं यह साफ दर्शाती हैं कि पटना की सड़कों से लेकर खेतों तक अपराधी बेखौफ हैं। अब राजधानी समेत आस-पास के इलाकों में भी डर का माहौल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुक्सान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाने वाले हैं। भारत तो वैसे भी पिछले लम्बे समय से आत्मनिर्भर होने का लगातार प्रयास कर रहा है एवं कई क्षेत्रों में भारत आज आत्मनिर्भर बन भी गया है। अतः भारत की निर्भरता अन्य देशों पर अब कम ही होती जा रही है। भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता है। भारत को हाल ही में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का भी पता लगा है। एक अनुमान के अनुसार, यह भंडार इतने विशाल हैं कि आगामी 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति होती रहेगी। इसी प्रकार, भारत में कर्नाटक स्थित कोलार स्वर्ण खदानों में भी एक बार पुनः खुदाई का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। आरम्भिक अनुमान के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 750 किलोग्राम स्वर्ण की आपूर्ति भारत को इन खदानों से हो सकती है।

पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ने जा रही है, एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हम्मास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजराईल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। अतः भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है।

संपादकीय

सहज अभिव्यक्ति पर दुर्भाग्यपूर्ण राजनीति

हमारी राजनीति का स्तर कितना नकारात्मक व अवसरवादी हो चला है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध को राजनीति साधने का अस्त्र बना लिया गया। विडंबना यह है कि जिस राज्य से सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने की सामाजिक सांस्कृतिक मुहिम संघ द्वारा चलायी जा रही है, उसी राज्य से राष्ट्र की संपर्क भाषा के खिलाफ भाषायी कट्टरपंथ को हवा दी जा रही है। विसंगति देखिए कि मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं। उसी राज्य में हिंदी बोलने वालों लोगों से मारपीट तक के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। निश्चय ही ये भारत की संघीय अवधारणा की जड़ों पर प्रहार ही है। निश्चय रूप से इस सोच के मूल में भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ना और मुंबई नगर निगम व राज्य की सत्ता पर काबिज होने की महत्वाकांक्षा ही है। लेकिन यह सोच राष्ट्रीय एकता व भाषायी सद्भाव को पलीता लगाने का ही कुत्सित प्रयास है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आजादी के सात दशक बाद भी देश में जनता को विकास व तार्किक मुद्दों के बजाय संकीर्ण अस्मिता के नाम पर बरगलाया जा रहा है। उन मुद्दों को हवा दी जा रही है जिनके बूते महाराष्ट्र में शिव सेना अस्तित्व में आयी। विडंबना यही है कि ऐसे तत्वों को यदि राजनीतिक मंसूबे पूरा करने में सफलता मिलती है तो इसका नकारात्मक संदेश पूरे देश में जाएगा। बहुत संभव है कि देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संकीर्ण भाषायी विरोध की राजनीति मुखर होने लगे। जो राष्ट्रीय एकता व सद्भाव के लिये एक बड़ी चुनौती होगी। निस्संदेह, भारतीय लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक दल सकारात्मक मुद्दों व विकास की प्राथमिकताओं को अपना एजेंडा बनाएं। दरअसल, सकारात्मक राजनीति में हाशिये पर गए दल ही सफलता के शॉर्टकट के रूप में ऐसे भावनात्मक मुद्दों को हवा देकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। आज पूरी दुनिया विज्ञान की क्रांति व अभिव्यक्ति के तकनीकी विकास से एकजुट हो रही है, वहीं हम भाषीय संकीर्णताओं में उलझकर प्रगति के पहिए को थामने की कोशिशों में लगे हुए हैं। भले ही हमारी मातृभाषा कुछ भी हो, लेकिन पूरे देश में एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता को खारिज नहीं किया जा सकता है। कई राज्यों में त्रिभाषा फार्मूले के रूप में शिक्षा के प्रसार में सात समुंदर पार की अंग्रेजी भाषा के अंगीकार में तो कोई परहेज नहीं है, लेकिन तमाम भारतीय भाषाओं के शब्दों को समेटे देश के स्वतंत्रता आंदोलनकारियों द्वारा स्वीकृत हिंदी का विरोध किया जा रहा है। ये दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

असुरक्षित हिन्दू आस्था, शासन प्रशासन को रक्षात्मकता से दंडात्मकता कार्यवाही की ओर बढ़ाना होगा

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

पिछले कुछ वर्षों से देश की राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय कि रामनवमी उत्सव की पूजा बाधित करने से लेकर जैसलमेर के सीमान्त गांव बासनपीर की ऐतिहासिक छतरियों को 2019 में तोड़-फोड़ से लेकर वर्तमान में पुनर्निर्माण में बाधा तक से करोड़ों हिन्दुओं की भावना से खिलवाड़ करने के साथ पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के भजन कीर्तन के साथ निकाली गई शोभायात्रा पर पथराव करने तथा आगजनी की घटनाएं चिंताजनक व हिन्दू आस्था को असुरक्षित करती है। राजस्थान के करौली, उदयपुर, जोधपुर,भीलवाड़ा हनुमानगढ़ और जैसलमेर की घटनाएं इसी मानसिकता के लोगों ने हिन्दुओं में भय और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के लिए की ऐसा लग रहा है। राज्य सरकारों द्वारा षड्यंत्र करने वालों के साथ में रक्षात्मक नीति द्वारा एक तरह से हौसला अफजाई करता है। पुलिस प्रशासन को इस तरह की घटनाओं को कारित करने और षडयंत्र करने वालों के खिलाफ रक्षात्मकता की जगह दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। जिससे भविष्य में घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगा सके। इन घटनाओं पर वर्ग विशेष का समर्थन करने या मोन रहने वालों का तर्क है, कि मुस्लिम बहुल क्षेत्र में शोभा यात्रा या धार्मिक यात्रा नहीं निकालना चाहिए। परंतु जैसलमेर जिले के बासनपीर गाँव की घटना जिस स्थान पर घटित हुई। वहां रियासतकालीन वीर योद्धाओं रामचंद्र जी सोढ़ा एवं हदूद जी पालीवाल की स्मृति में बनी छतरियाँ जो हमारे इतिहास, बलिदान और गौरव की प्रतीक थीं। उन्हें 2019 में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ढहा दिया गया था। अब कई वर्षों के संघर्ष और प्रयासों के बाद जब इन छतरियों के पुनर्निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ, तो वही कट्टर मानसिकता दोबारा जागी और जम्मू कश्मीर की पत्थरबाजी की तर्ज पर मुस्लिम बच्चों और महिलाओं को आगे करके न केवल निर्माण रोकने का दुस्साहस किया, बल्कि आम नागरिकों सहित पुलिस-प्रशासन पर हमला कर कई लोगों को लहूलुहान कर दिया। कुछ समय पूर्व जोधपुर के भोपालगढ़ क्षेत्र में ओरण, गोचर पर कब्जा करने का भी प्रयास किया गया।

सच तो यह है। कि इसी आधार पर जम्मू कश्मीर में हिन्दू मुक्त राज्य करने में सहायता का एकमात्र तरीका शुरुआती दौर में यही रहा है। हिंदुओं को और उनके स्थानों को चयनित करके हिंसा को बढ़ावा दिया गया। शासन और प्रशासन को समय रहते हुए कार्यवाही और आवश्यक कदम उठाने चाहिए थे। हालिया हिंसक घटनाक्रम और भारत-हिन्दू विरोधी वातावरण इसके उदयकाल से खून चूसने वाले जोक की भांति चिपका। तुष्टीकरण या रक्षात्मकता का दर्शन स्वभाविक बनता है।

भारतीय उपमहाद्वीप में जो क्षेत्र मुस्लिम है। जहां मुसलमानों की आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक है। वहां हिंदू और गैर मुसलमानों का जीवन अत्यंत कठिन है। रक्तरंजित और दुखद विभाजन के पश्चात पाकिस्तान और बांग्लादेश में जो हिंदू आबादी क्रमशः 20 और 30 प्रतिशत थी। वह आज फिर 75 वर्ष पश्चात 2 और 8 प्रतिशत के नीचे पहुंच गई है। खरगोन, राष्ट्रीय राजधानी के विश्वविद्यालय, करौली जोधपुर, जैसलमेर की हिंसा पर अधिकांश वही जमात चुप्पी साधे बैठा है या फिर खाना पूर्ति हेतु निंदा कर रहा है। कोई ठोस कार्रवाई करने से बच रहा है। यही कारण है, कि घटनाओं की पुनरावृति हो रही है। शासन प्रशासन को कठोर कार्रवाई कर ऐसी ही सब घटनाओं की पुनरावृति पर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

यह कटु सत्य है। कि हिन्दू समाज शताब्दियों से मजहबी असहिष्णुता का शिकार हो रहा है। और आज शताब्दियों बाद भी हिन्दू उन क्षेत्रों में सर्वाधिक असुरक्षित है। जहां पहले कभी हिन्दू मूल बहुल में रहा है। ऐसा नहीं है, कि भारतीय समाज में पराक्रम और संघर्ष तथा वीरता की क्षमता का अभाव रहा। चिंता का मुख्य कारण तो यह है, कि समाज के एक वर्ग में चैतन्य की कमी रही है। इस पृष्ठभूमि में रही सही कसर रक्षात्मक कार्यवाही, तुष्टिकरण और सेकुलर वादी, भारत-हिन्दूविरोधी मानसिकता पूरी कर रही है।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक

(चिंतन-मनन)

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें।

ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

विचार मंथन

इंटरनेट की दुनिया में जापान की लंबी छलांग, पीटाबाइट स्पीड से डेटा ट्रांसफर

(लेखक- सनत जैन)

इंटरनेट की स्पीड की बात करते हैं, तो भारत में 100 एमबीपीएस या अधिकतम 1 गीगाबाइट पर सेकंड को सबसे तेज स्पीड मान लिया जाता है। जापान ने इस पैमाने को ध्वस्त कर दिया है। जापान ने हाल ही में 1 पेटाबाइट प्रति सेकंड की स्पीड से डेटा ट्रांसफर करने की एक ऐसी तकनीकी क्रांति को जन्म दिया है जो ना केवल अभूतपूर्व है बल्कि विज्ञान और शोध के क्षेत्र में एक चमत्कारिक घटना के रूप में देखी जा रही है। जापान की इस सफलता से इंटरनेट की दुनिया में एक नया कीर्तिमान बनने जा रहा है, जो सोच से भी ज्यादा है। यह उपलब्धि जापान के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और कई अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ मिलकर हासिल की है। पारंपरिक ऑप्टिकल फाइबर में एक की जगह 19 कोर का प्रयोग करके 10,800 किलोमीटर की दूरी तक इंटरनेट के माध्यम से डेटा ट्रांसफर करके यह कीर्तिमान स्थापित किया गया है। नेटफ्लिक्स लाइब्रेरी, विकिपीडिया के करोड़ों पेज या 8के के वीडियो डेटा को एक सेकंड से भी कम समय में डाउनलोड किया जा सकता है। यह स्पीड, भारत की औसत इंटरनेट स्पीड से 1 करोड़ 60 लाख गुना ज्यादा है। अमेरिका से 35 लाख गुना तेज है। इसकी कल्पना मानव समाज ने अभी नहीं की थी। जो जापान ने करके बता दिया है। यह तकनीक की चरम सीमा है। वैश्विक स्तर पर इस उपलब्धि का प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मेडिकल साइंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान एआई तकनिकी जैसे क्षेत्र अब सभी सीमाओं से मुक्त हो जाएंगे। रीयल टाइम क्लाउड प्रोसेसिंग, होलोग्राफिक कम्युनिकेशन और ब्रेन-मशीन इंटरफेस जैसे भविष्य के अवसर वर्तमान के दरवाजे पर खड़े दिख रहे हैं।

मानव मस्तिष्क की सोच से भी कई गुना तेज गति से अब सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। कोड किए जा सकते हैं, डिकोड किए जा सकते हैं। जापान की इस सफलता ने डिजिटल दुनिया में एक नई क्रांति को जन्म दिया है। इस स्पीड के पीछे कई तरह की चुनौतियां हैं। अभी तक जो शोध और नवाचार हो रहे थे। जापान ने दिखा दिया है, तकनीक में कोई शॉर्टकट अथवा संपूर्णता नहीं होती है। जापान ने डिजिटल तकनीकी को लेकर सारी दुनिया के देशों को और वैज्ञानिकों को एक नई चुनौती दी है। कुछ महीने पहले चीन ने 10 जी की इंटरनेट सेवा का सफल परीक्षण किया था, तब इसे बहुत बड़ी सफलता माना जा रहा था, लेकिन जापान ने चीन से कई गुना अधिक सफलता अर्जित कर इंटरनेट की दुनियां में चीन को पछाड़ दिया है। जापान के इस मॉडल से कल्पनाओं का लोक बहुत बड़ा हो गया है। अभी बहुत कुछ सीखने की चुनौती सामने आ गई है। इंटरनेट की यह स्पीड मानव क्षमता की पराकाष्ठा है। यह सफलता बताती है, भविष्य उनका है, जो कल्पनाओं के आधार पर विज्ञान, नवाचार की सोच को संकल्प के साथ दोड़ना जानते हैं। फिलहाल, इस रेस में जापान सबसे आगे बढ गया है। जापान की इस सफलता से अब कंप्यूटर हार्डवेयर सॉफ्टवेयर तथा संचार माध्यमों को लेकर आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल तकनीकी में भारी बदलाव आएंगे। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के सामने एक बड़ी चुनौती आ गई है। इस सफलता के बाद मानव सभ्यता तथा मानव क्षमता में बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जापान ने जो सफलता अर्जित की है उसके कारण सभी क्षेत्रों में परिवर्तन देखने को मिलेगा। डिजिटल तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से यह कहा जाता था कि पूरा विश्व एक गांव के रूप में बदल गया है। भविष्य में यदि यह भी कहा जाए कि सारा ब्रह्मांड एक विलेज में बदल गया है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जापान की वर्तमान सफलता को देखते हुए, अब यह कहा जा सकता है कि मानव ने देवत्व की क्षमता को प्राप्त कर लिया है। मानव जो सोचता है उसे हासिल कर पाने में कोई बाधा नहीं रही। वहीं एक खतरा यह भी दिखने लगा है, जब-जब मानव के पास असीमित शक्तियां आ जाती हैं उनका सृजन के लिए काम और विध्वंस के लिए ज्यादा उपयोग होता है। यह अभी होता हुआ दिख रहा है। रूस और यूक्रेन, गाजा और इजरायल, ईरान और इजरायल के बीच जिस तरह के युद्ध लंबे समय से चल रहे हैं उसमें तकनीकी का जिस तरह से इस्तेमाल हो रहा है उसमें विध्वंस ज्यादा हो रहा है सृजन कम हो रहा है। डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों की गतिशीलता हमारे मानव जीवन को बड़ी तेजी के साथ प्रभावित कर रही है। हमें कई तरह से शक्ति संपन्न बना रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

व्यापार वार्ता, तिमाही नतीजे और मुद्रास्फीति आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अहम रहने वाला है, जिसमें निवेशकों की नजर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और प्रमुख मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों के साथ-साथ वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। एक वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते निवेशक सतर्क हैं। जब तक इस वार्ता से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, बाजार में सकारात्मक रुख बनना मुश्किल है। इसके अलावा कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट देखी गई, जो निराशाजनक नतीजों की शुरुआत और वैश्विक व्यापार शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि 14 जुलाई को जारी होने वाले थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार के लिए निर्णायक रहेंगे। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रास्फीति और चीन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार वार्ता की अनिश्चितता बाजार पर दबाव बनाए रख सकती है। निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने और प्रमुख घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

एनएलसी इंडिया लिथियम आपूर्ति के लिए रूस की कंपनी संग करेगी साझेदारी

- माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चल रही चर्चा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड अफ्रीका के माली देश में स्थित लिथियम खदान में हिस्सेदारी के लिए रूस की एक सरकारी कंपनी के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। यह कदम भारत द्वारा स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लिथियम जैसे रणनीतिक खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार एनएलसी इंडिया और रूस की कंपनी के बीच माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चर्चा चल रही है। भारत सरकार का उद्देश्य लिथियम के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ विदेशी स्रोतों को भी सुरक्षित करना है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के निर्माण में निर्बाध आपूर्ति बनी रहे। एनएलसी इंडिया का प्रमुख कारोबार कोयला और लिग्नाइट खनन व बिजली उत्पादन रहा है। हाल के वर्षों में कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा, कोयला खनन, और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाया है। नीलामी के पांचवें दौर में एनएलसी ने छत्तीसगढ़ में दो महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक फॉस्फोराइट और चूना पत्थर हासिल किए। एनएलसी का यह कदम भारत को खनिज आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाने में मदद करेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की स्थिति को मज़बूत करेगा।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंप नियों का जलवा

- वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही

मुंबई । भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस ग्रोथ के पीछे अच्छा मानसून, सरकारी सहयोग और आय में सुधार प्रमुख कारण हैं। इसके विपरीत, शहरी उपभोक्ता महंगाई के दबाव के चलते छोटे पैक और किफायती विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स जैसे स्लर्प फार्म भी शहरी बाजार में तेजी से जगह बना रहे हैं।

स्विगी पर ग्राहक और डिलीवरी स्टाफ की होती है रैंकिंग

- फ्रॉड ग्राहकों पर रहती है खास निगरानी

मुंबई । ऑनलाइन फूड और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी अपने ग्राहकों और डिलीवरी स्टाफ की गोपनीय रैंकिंग करता है, जिसका सीधा असर सेवा की गुणवत्ता और इंसेंटिव्स पर पड़ता है। एक कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के अनुसार हर ग्राहक और डिलीवरी पार्टनर की एक खास रैंक होती है। ग्राहकों को उनकी खरीदारी की आदतों के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है हाई-वैल्यू, मीडियम-वैल्यू और लो-वैल्यू। हाई-वैल्यू ग्राहक नियमित ऑर्डर करने वाले होते हैं, जिन्हें तेज सपोर्ट और बेहतर रिफंड पॉलिसी मिलती है। लो-वैल्यू ग्राहक वे होते हैं जो नए होते हैं या कम ऑर्डर करते हैं। इसके अलावा बार-बार रिफंड मांगने वाले ग्राहकों को 'फ्रॉड यूजर' के तौर पर चिह्नित किया जा सकता है।

ट्रंप ने मेक्सिको और ईयू पर लगाया 30 फीसदी टैरिफ

- ट्रंप ने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से मेक्सिको यूरोपीय यूनियन (ईयू) से आने वाले सभी सामानों पर 30 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह फैसला दोनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली व्यापारिक बातचीत के विफल रहने के बाद लिया गया। ट्रंप ने इस जानकारी को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए साझा किया। इससे पहले ट्रंप जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही है। ट्रंप के इन फैसलों से अमेरिकी सरकार को आर्थिक लाभ हुआ है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, जून तक के वित्तीय वर्ष में सीमा शुल्क से 100 अरब डॉलर से अधिक की कमाई हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ा सकता है। मेक्सिको और ईयू दोनों ही जवाबी कदम उठाने की तैयारी में हैं, जिससे एक और ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ गई है।

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम

- 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शा मिल

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन-आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। इसके अलावा, 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना 2032 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें देश का सबसे ऊंचा बांध भी शामिल होगा।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंप नियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ घटा

- सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल सबसे अधिक नुकसान में रहीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन भी 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजीकरण में 44,048.2 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 18,818.86 करोड़ रुपये घटकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में 11,954.25 करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे इसका मूल्य 5,83,322.91 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रुपये रह गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

इस गिरावट के बीच, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस ने बढ़त दिखाई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये हो गया, जिसके साथ उसके शेयर में लगभग 5 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन भी 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

-बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है।

बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई।

इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

- 2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर।

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

कंपनियों को सरकारी समर्थन की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अे धिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है। विदेशी तकनीक के सहयोग से घरेलू उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हुडको ने एमपी सरकार के साथ 1 लाख करोड़ का करार किया

- शेयर की कीमत 230 रुपए के आसपास

नई दिल्ली ।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीयूडीसीएल) के साथ 1 लाख करोड़ का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया है। इस करार के तहत हुडको अगले पांच वर्षों में राज्य में हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा कंपनी कंसल्टेंसी और निर्माण कार्य में भी सहयोग करेगी। इस समझौते पर हस्ताक्षर समारोह हाल ही में इंदौर में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और हुडको के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ मौजूद थे। यह करार शहरी विकास को गति देने और नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हुडको ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 728 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट इंटरेस्ट इनकम में 26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एयूएम में 35 फीसदी की वृद्धि और ग्रॉस एनपीए घटकर 1.67 फीसदी हो गया। कंपनी ने 1.05 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। शुक्रवार को बीएसई पर हुडको का शेयर 230.65 पर बंद हुआ, जिसमें 0.28 फीसदी की मामूली गिरावट रही।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन के दामों में मजबूती, सावन में मांग बढ़ी

- कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार और सावन के मौसम में बढ़ी मांग के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, सोयाबीन तिलहन की कीमतें कमजोर मांग के चलते गिरावट के साथ बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार सावन के मौसम में पारंपरिक तौर पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ती है, जिससे घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के दाम सुधरे। खासतौर पर कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। सरकार के पास मौजूद सरसों के स्टॉक को संभलकर बेचना होगा, क्योंकि नई फसल आने में अभी 7-8 महीने का समय बचा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को स्टॉकिस्टों के बजाय तेल मिलों को सरसों बेचनी चाहिए ताकि वे पेराई के बाद तेल को बाजार में उतारने की गारंटी दें। सोयाबीन डी-आयल्ड केक के दाम ऊंचे होने से उसकी मांग कमजोर रही, जिससे सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार रहा क्योंकि इसकी कीमतें आयातकों के लागत से कम हैं और सरसों- सूरजमुखी तेल की तुलना में सस्ती हैं। मूंगफली के दाम एमएसपी से करीब 15 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन निर्यात की उम्मीद और व्रत के कारण मूंगफली तेल की मांग बढ़ी है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल का भाव 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन दाने और लूज के दाम गिरावट के साथ 4,350-4,400 रुपये और 4,050-4,150 रुपये पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन और तेल के दामों में भी सुधार दर्ज हुआ। सरकार को खाद्य तेलों के खुदरा दामों पर नियंत्रण के लिए एक पोर्टल बनाने पर विचार करना चाहिए, जिससे एमआरपी की जानकारी पारदर्शी हो और कीमतों में तेजी को रोका जा सके।

भारत में अब कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे

- डिक्सन टेक्नोलॉजीज यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही बना रही रोबोट वैक्यूम क्लीनर

नई दिल्ली। भारत में अब सिर्फ स्मार्टफोन या टीवी ही नहीं, बल्कि कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे हैं। इनमें रोबोट वैक्यूम क्लीनर, कॉफी मेकर, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर जैसे उपकरण शामिल हैं, जो पहले पूरी तरह से विदेशों से मंगाए जाते थे। यह बदलाव सरकार की नई नीति, खासकर बीआईएस (ब्यूरो आफ इं डियन स्टैंडर्ड) के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) के कारण आया है। क्यूओसी का मकसद है कि भारत में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो, और विदेशी कंपनियों से आने वाले सामानों पर नियंत्रण लगाया जा सके। इन नियमों के चलते अब इन उत्पादों को भारत में बेचने से पहले बीआईएस से प्रमाणन लेना जरूरी हो गया है। इससे स्थानीय निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसी दिशा में डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाना शुरू किया है। डिक्सन के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि बीआईएस के नियमों से प्रीमियम ब्रांड भी अब छोटे बाजारों के बावजूद भारत में निर्माण पर विचार कर रहे हैं। यह कंपनियों के लिए एक अच्छा अवसर है। जर्मनी की कंपनी ने औरंगाबाद में बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर बनाने का प्लांट शुरू किया है, जबकि भारत में इसकी वार्षिक बिक्री केवल 14,000-15,000 यूनिट है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल में यह बाजार एक लाख यूनिट तक पहुंच जाएगा। देश की बड़ी घरेलू कंपनियां जैसे हैवेल्स और क्राम्पटन ग्रीव्स भी अब इम्पोर्ट घटाकर भारत में निर्माण को प्राथमिकता दे रही हैं। हालांकि हर एक कैटेगरी का बाजार अभी छोटा है, लेकिन कुल मिलाकर यह करीब 12,000ङ्क13,000 करोड़ का है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीआईएस के नियमों से भारत में प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण तेज़ी से बढ़ेगा और देश आत्मनिर्भरता की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाएगा।

लॉड्र्स टेस्ट- इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौटी

सुंदर ने रूट को बोल्ड किया, फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की; भारत 154 रन से पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लॉड्र्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। रविवार को मैच का चौथा दिन है और दूसरा सेशन जारी है।

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 154 रन बना लिए हैं। बेन स्टोक्स और जैमी स्मिथ नाबाद हैं। वॉशिंगटन सुंदर ने जो रूट (40 रन) को बोल्ड करके फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की।

हैरी ब्रूक (23 रन) को आकाश दीप ने बोल्ड कर दिया। नीतीश रेड्?डी ने जैक क्रॉली (22 रन) को कैच कराया। जबकि, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (4 रन) और बेन डकेट (12 रन) को पवेलियन भेजा।

इंग्लिश टीम ने आज 2/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। पहली पारी में किसी टीम को बढ़त नहीं मिली, इनमें भारत और इंग्लैंड की टीमें एक समान 387-387 के स्कोर पर ऑलआउट हुईं

स्वियाटेक ने अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदकर पहला विंबलडन खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक शनिवार को धमाकेदार अंदाज में विंबलडन 2025 चैंपियन बन गईं। उन्होंने आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर महिला सिंगल्स फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदा। स्वियातेक ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिली है। इगा इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं लेकिन इस बार गदर काट दिया और छठा ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। उन्होंने सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी।

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और महज 57 मिनट में जीत दर्ज की। यह 114 सालों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। स्वियातेक ओपन एरा में फाइनल में कोई भी गेम हारे बिना मेजर टाइटल जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ ने 1988 में आयोजित फ्रेंच ओपन में नतालिया ज्वेरेवा को हराया था। स्टेफी ग्राफ 32 मिनट में चैंपियन बनी थीं। बता दें कि 24 वर्षीय इगा फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

लॉड्र्स टेस्ट: यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है, क्रॉली की रणनीति पर बोले वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि मौजूदा तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के अंत में जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति 'अब तक की सबसे अच्छी रणनीति' थी, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि मेहमान टीम ने दूसरे दिन भी यही तरीका अपनाया था।

तीसरे दिन के अंत में उस समय गुस्सा भड़क गया जब इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति के बाद भारत एक और ओवर नहीं खेल पाया, जिस पर कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में मेहमान टीम ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारतीय पारी तीसरे दिन 387 रन ढेर हो गई जो इंग्लैंड की पारी के समान थी। दिन का अंत इंग्लैंड ने मामूली 2 रन की बढ़त से किया।

387 रनों पर आउट होने के बाद भारत के पास तीसरे दिन के अंतिम सत्र में दो ओवर फेंकने का पर्याप्त समय था, लेकिन जसप्रीत बुमराह के शुरुआती ओवर के दौरान तीन बार चोट का बहाना बनाने और मैच से बाहर होने की क्रॉली की रणनीति के कारण मैच में देरी हुई। इसका मतलब था कि भारत के पास सिर्फ एक ओवर का समय था, जिससे मेहमान टीम नाराज हो गई क्योंकि इंग्लैंड ने तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 2 रन बना लिए।

वॉन ने कहा कि यह दोनों टीमों के लिए बराबर था, 'यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है।' उन्होंने कहा, 'भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि कल गिल की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, (केएल) राहुल मैदान से बाहर थे और वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाते।' उन्होंने कहा, 'कोई भी टीम शिकायत नहीं कर सकता, लेकिन क्या शानदार ड्रामा था और क्या शानदार दिन था। हमें चौथे और पाँचवें दिन का सामना करना है जो शानदार होगा।'

इंग्लैंड के एक अन्य पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने कहा कि 1-1 से बराबरी पर चल रही इस सीरीज को और रोमांचक बनाने के लिए इस तरह के ड्रामा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'सभी बहुत दोस्ताना रहे हैं, लेकिन 5 मैचों की सीरीज में ऐसा हमेशा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ कई बार खेलने के बाद कुछ छोटे-छोटे पल आते हैं।'

मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़कर हरमनप्रीत कौर बनी नंबर-1, भारत ने अपने नाम की सीरीज

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड में टी20 सीरीज अपने नाम की। भले ही टीम को 12 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए आखिरी टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी लेकिन सीरीज भारत ने 3-2 से जीत ली।

इस ऐतिहासिक जीत की अगुवाई हरमनप्रीत कौर ने की। हालांकि,वे बल्ले से खास कमाल नहीं कर पाई लेकिन सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गईं बावजूद इसके उन्होंने एक बड़ा इतिहास रच दिया।

हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने ये उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए हासिल की।

हरमनप्रीत कौर ने कुल 334 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, जो कि महिला क्रिकेट में भारत के लिए सबससे ज्यादा है। उन्होंने महान बल्लेबाज मिताली राज का 333 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत अब विश्व की सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला

खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स (346 मैच) और ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी (337 मैच) उनसे ऊपर हैं। 36 साल के हरमनप्रीत ने अब तक 8 शतक और 85 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर 171 रन भी शामिल है जो महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा है।

जो रूट का कमाल जारी, सचिन तेंदुलकर की खास क्लब में बनाई जगह

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेहतरीन जो रूट लगातार रनों की अंबार खड़ा कर रहे हैं। बीते पांच साल में वह 20 शतक जमा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के रूट काफी करीब है और हाल ही में उन्होंने सचिन के साथ ही एक खास लिस्ट में अपना नाम भी लिखवा लिया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉड्र्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रूट ने ये मुकाम हासिल किया। इस मैच की पहली पारी में रूट के बल्ले से शतक निकला था जिसके दम पर मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस शतक से भी रूट ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और दूसरी पारी में भी वह यही कर रहे हैं।

रूट ने इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए नंबर-4 पर टेस्ट क्रिकेट में अपने 8000 रन पूरे कर लिए हैं। रूट से पहले इस नंबर पर सिर्फ चार ही बल्लेबाजों ने टेस्ट में 8000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली ने भी लंबे समय तक नंबर-4 पर बल्लेबाजी की लेकिन वह भी इस मुकाम को नहीं छू पाए। कोहली के नाम तो टेस्ट में 10,000 रन भी नहीं हैं। टेस्ट में कोहली के नाम 123 मैचों में 9230 रन हैं। चौथे नंबर पर खेलते हुए कोहली ने 7564 रन बनाए हैं। इसके साथ ही रूट के नाम क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉड्र्स पर सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मैदान पर कुल आठ शतक हैं। उनके बाद किसी का नंबर है जो इंग्लैंड के ही माइकल वॉन और ग्राहम गूज का। दोनों के नाम लॉड्र्स में कुल 6-6 शतक हैं।

भारत की मिश्रित टीम निशानेबाजी विश्व कप के पदक दौर में जगह बनाने से चूकी

लोनाटो । लक्ष्य श्योराण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) तीसरी सीरीज में परफेक्ट स्कोर बनाने के बावजूद ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक दौर में जगह बनाने से चूक गए जिसके साथ भारत का अभियान ढ्ढस्स्स्न लोनाटो विश्व कप में समाप्त हो गया। लक्ष्य और नीरू ने क्वालीफाइंग दौर में संभावित 150 में से 140 अंक बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे। जोरावर सिंह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी 138 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। एक दिन पहले महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रही नीरू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 75 में से केवल एक ही निशाना चूका जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में लय में नहीं दिखे और छह निशाने चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी की पदक दौर में जगह बनाने की संभावनाओं को झटका लगा। ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की दोनों टीम 143 अंक के समान स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं। पिछले निकोसिया शॉटगन विश्व कप की मिश्रित टीम स्पर्धा में काइनन चेनाई और सबीरा हारिस की भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक जीता था। यह स्पर्धा 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पहली बार आयोजित की जाएगी।

अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं : नोवाक जोकोविच

लंदन। विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने प्रशंसकों को यह साफ संदेश दिया है कि वह अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं रखते। शुक्रवार को सेंटर कोर्ट पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हार झेलने के बाद जोकोविच ने कहा कि यह उनका विंबलडन करियर खत्म करने वाला मैच नहीं था। 38 वर्षीय जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।' उनकी इस हार ने न सिर्फ रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने बल्कि अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी तोड़ दिया। क्वार्टर फाइनल के दौरान चोटिल होने के बाद जोकोविच सेमीफाइनल में पूरी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि वे अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहते, लेकिन प्रदर्शन से जरूर निराश हैं। मैच के दौरान तीसरे सेट से पहले जोकोविच ने अपने बाएं पैर के ऊपरी हिस्से के उपचार के लिए ट्रेनर को बुलाया और इसके बाद शुरुआती तीन गेम जीतने में सफल रहे। हालांकि, वे असहज महसूस करते रहे और आखिरी सात गेम में से छह हार गए। उनके प्रतिद्वंद्वी सिनर ने भी माना कि तीसरे सेट में जोकोविच की तकलीफ साफ दिख रही थी और वे सहज नहीं थे।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 से भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे महज़ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाज़ी से सबको चौंका दिया है। आईपीएल से लेकर इंग्लैंड दौरे तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का ऐसा जलवा दिखाया कि विशेषज्ञ भी उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 की नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में डेब्यू किया। पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन ठोक दिए।

आईपीएल-2025 में वैभव ने 7 मैच खेले और 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला। उन्होंने 24 छक्के और 18 चौके जड़ते हुए दिखा दिया कि उम्र महज एक नंबर है। राजस्थान के बाद, वैभव को भारत की अंडर-19 टीम

में इंग्लैंड दौरे के लिए चुना गया। वहां भी उन्होंने मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। पांच यूथ वनडे में उन्होंने 48, 45, 86, 143 और 33 रन की पारियां खेलीं। सबसे खास पारी रही चौथे वनडे में 143 रन की। उन्होंने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और 78 गेंदों पर 10 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 143 रन बनाए। इसी के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने 14 साल और 100 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। इस मैच में उन्होंने विहान मल्होत्रा (129) के साथ 219 रन की साझेदारी कर भारत को 55 रन से जीत दिलाई।

वैभव के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि उनमें सचिन तेंदुलकर की तकनीकी नजाकत और ब्रायन लारा जैसा अटैकिंग अंदाज नजर आता है। हालांकि कुछ कोच उन्हें पृथ्वी शॉ की गलतियों से सीखने की सलाह भी देते हैं। घरेलू क्रिकेट में भी वैभव ने रिकॉर्ड कायम किया। 13 साल 269 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय बने। बिहार की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में मध्य प्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया। वह आधुनिक युग में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वैभव ने 5 मैचों की 10 पारियों में 100 रन बनाए। छह लिस्ट-ए मैचों में 22 की औसत से 132 रन उनके नाम हैं। हालाँकि यह आंकड़े दिखाते हैं कि अभी उन्हें घरेलू क्रिकेट में और मेहनत करनी होगी। फिटनेस के लिए जरूरी यो-यो टेस्ट पास करना आधुनिक क्रिकेट का अहम हिस्सा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वैभव अपनी फिटनेस और जज्बा बनाए रखें, तो वह भविष्य में भारतीय टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज़ बन सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार डायमंड लीग में नीरज और अरशद में होगी प्रतिस्पर्धा

सिलेसिया। भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग भाला फेंक (डीएल) स्पर्धा में टक्कर होगी। पेरिस ओलंपिक के बाद ये दोनो के बीच पहला मुकाबला होगा और ऐसे में सभी की नजरें इस पर लगी रहेंगी। अरशद ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता था। नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ ही विश्व चैम्पियन भी हैं। चोपड़ा को हालांकि पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्व एथलेटिक्स के एक बयान में कहा गया है कि चोपड़ा और नदीम सिलेसिया डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने भी नीरज और अरशद के बीच इस मुकाबले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह नीरज के लिए पिछली हार का बदला लेने का अच्छा अवसर हो सकता है। आयोजकों ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा के प्रतिभागियों की घोषणा करते हुए कहा, 'पोलैंड के प्रशंसकों को नीरज और अरशद नदीम के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।' आयोजकों ने कहा, 'अरशद यूरोपीय सर्किट में ज्यादा स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते है ऐसे में उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वह रज वहीं चोपड़ा हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने हैं। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा, 'इस सत्र में वह 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले इतिहास के 26वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह निश्चित रूप से इसे और बेहतर करना चाहेगे।' पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बीच मुकाबला सिलेसिया डायमंड लीग के मुख्य आकर्षणों में से एक होने वाला है। चोपड़ा ने पेरिस खेलों के बाद कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिसमें चार डायमंड लीग मीट, पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में दो अन्य शीर्ष–श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल है।

मैं अभी और टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, चयनकर्ताओं से संपर्क भी किया : रहाणे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो वर्षों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले 37 वर्षीय अजिंक्य रहाणे की भूख और जुनून अभी बाकी है। उन्होंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से संपर्क करने की कोशिश भी की थी लेकिन उन्हें चयनकर्ताओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। रहाणे इस समय लंदन में हैं और उन्हें स्काई स्पोर्ट्स में नासिर हुसैन और माइकल आथटर्न से बात करते हुए कहा, 'मैं अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं। हमारा घरेलू सीजन शुरू होने वाला है इसलिए तैयारी अभी शुरू ही हुई है।'

जब रहाणे से पूछा गया कि विरोट कोहली

और रोहित शर्मा सरीखे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ऐसे में उनके सामने टेस्ट में वापसी करने के लिए कैसी चुनौतियां हैं तो उन्होंने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ उन चीजों पर है जिन पर उनका नियंत्रण है। नए कप्तान शुभमन गिल ने कोहली की जगह चौथे नंबर पर ले ली है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

पुराने खिलाड़ियों में से, केएल राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी भी चयनकर्ताओं की योजनाओं में मजबूती से शामिल हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रहाणे बेफिक्र हैं और घरेलू क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के जरिए वापसी की कोशिश कर रहे हैं। टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद से रहाणे ने लगातार दो रणजी ट्रॉफी सीजन में मुंबई का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 2023-24 में अपना 42वां खिताब जीता, जबकि 2024-25 में उपविजेता रही। वह सैयद मुश्ताक अली (टी20) खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का भी हिस्सा थे।

रहाणे ने 2024-25 के रणजी सीजन में 14 पारियों में 35.92 की औसत से एक अर्धशतक और एक शतक सहित 467 रन बनाए। वह निराशाजनक IPL 2025 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जहां उनकी टीम 10 टीमों में से आठवें स्थान पर रही। रहाणे ने 14 पारियों में 147.27 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए। रहाणे ने कहा, 'मैं सिर्फ उन्हीं चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं।

राहणे ने कहा, 'सच कहूं तो मैंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से बात करने की कोशिश भी की लेकिन बतौर खिलाड़ी ऐसी चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं होती। मुझे कोई जवाब नहीं मिला। एक क्रिकेटर के तौर पर मैं बस इतना ही कर सकता हूं कि मैं क्रिकेट खेलूं, खेल का आनंद लूं और हर मौके पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत पंसद है। खेल के प्रति मेरा प्रेम ही मुझे लगातार अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।'

बुमराह सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने, 35 वहीं बार खाता नहीं खोल पाये

लॉड्र्स। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह अब तक इंग्लैंड दौरे में रनों के मामले में असफल रहे हैं। बुमराह ने अभी तक इस दौरे में तीन बार बल्लेबाजी की है और तीनो में ही वह अपना खाता नहीं खोल पाये। इस प्रकार बुमराह ने इस सीरीज में शून्य पर आउट होने की हैट्रिक लगायी है। पिछली 7 पारियों में वह 6 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की अनचाही सूची में सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पछड़ दिया है। लॉड्र्स टेस्ट में 0 पर आउट होने के बाद बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 वीं बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 34–34 बार अपना खाता नहीं खोल पाये हैं। सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में बुमराह अब संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उनके अलावा पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी 35 बार अपने करियर में 0 पर आउट हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान शिव और मां पार्वती के संवाद की साक्षी है अमरनाथ गुफा

हर साल सावन के महीने भगवान शिव के स्वयंभू हिमलिंग के दर्शन होते हैं। भक्त कई किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा करके इस पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। वहीं बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने जीवन को धन्य मानते हैं।

अमरनाथ यात्रा का नाम सुनते ही हमारे मन में बर्फ के बीच स्थित भगवान शिव की पवित्र गुफा उभर आती है। वहीं इस यात्रा में हर साल लाखों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं। कहा जाता है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से इस यात्रा पर जाते हैं, उनकी हर मुराद पूरी होती है और जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। अमरनाथ यात्रा की यह गुफा जम्मू-कश्मीर के हिमालय में करीब 12,756 फीट की ऊंचाई पर मौजूद हैं।

बता दें कि हर साल सावन के महीने भगवान शिव के स्वयंभू हिमलिंग के दर्शन होते हैं। भक्त कई किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा करके इस पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। वहीं बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने जीवन को धन्य मानते हैं। बताया जाता है कि भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। तब यही गुफा भगवान शिव और मां पार्वती की संवाद की साक्षी बनी थी। इसलिए इस स्थान को अमरनाथ कहा जाता है। भगवान शिव में आस्था रखने वाले लोग जीवन में एक बार इस यात्रा को जरूर करना चाहते हैं, जिससे उनके पाप मिट जाएं और मोक्ष मिल सके।

इतिहास

अमरनाथ गुफा की खोज को लेकर कई मत हैं। इतिहास के मुताबिक 1850 में बूटा मलिक नामक गड़रिए ने इस गुफा की खोज की थी। पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब कश्मीर घाटी पानी में डूब गई थी और झील बन गई थी। तब ऋषि कश्यप ने प्राणियों की रक्षा के लिए इस जल को कई नदियों और छोटे-छोटे जल स्त्रोतों से आगे प्रवाहित करने का काम किया। इस दौरान ऋषि भृगु हिमालय यात्रा पर थे, इस दौरान उनको अमरनाथ गुफा और शिवलिंग दिखाई दिया। तब से ही अमरनाथ में भगवान शिव की पूजा की जाने लगी।

महत्व

धार्मिक पुराणों के मुताबिक अमरनाथ गुफा वह जगह है, जहां भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरकथा सुनाई थी। अमर कथा सुनने के बाद भी जो जीव जीवित रह जाता है, वह अमर हो जाता है। इसलिए भगवान शिव ने यहां आकर सब कुछ त्याग दिया था और फिर मां पार्वती को कथा सुनाई थी। बताया जाता है कि भगवान शिव ने अपना वाहन नंदी, नागों और गणों को भी दूर भेज दिया। जिससे कोई इस रहस्य को सुन न सके। लेकिन इस दौरान कबूतर के एक जोड़े ने इस कथा को सुन लिया और तभी से माना जाता है कि वह आज भी अमर हैं। इस कथा के कारण इस गुफा को अमरनाथ गुफा कहा जाता है।

अमरनाथ यात्रा की इतिहास

बता दें कि इस साल अमरनाथ यात्रा की शुरुआत 03 जुलाई से हो रही है और यह 31 अगस्त तक चलेगी। वहीं देशभर से हजारों की संख्या में भक्त इस पवित्र यात्रा में शामिल होते हैं। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिससे कि यात्रा निर्बाध रूप से संपन्न हो सके।

सावन में शिवलिंग की पूजा कैसे करें?

जान लें सही विधि, नियम और पूजा सामग्री

सावन का महीना देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए सबसे खास होता है. हिंदू कैलेंडर के मुताबिक सावन का महीना साल का पांचवां महीना होता है. धार्मिक ग्रंथों और शास्त्रों के अनुसार, यह महीना भगवान शिव को सबसे प्रिय माना गया है. सावन के महीने में भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करने और जलाभिषेक करने का विशेष महत्व होता है. धार्मिक मान्यता है कि सावन के महीने में माता पार्वती ने कठोर तपस्या करते हुए भगवान शिव को पति के रूप में पाया था.

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा विशेष फलदायी मानी गई है. मान्यता है कि जो भक्त पूरे सावन के महीने में शिव जी की पूजा करता है और शिवलिंग का जलाभिषेक करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. वैसे तो सावन का हर दिन शिवजी की पूजा के लिए शुभ है, लेकिन सावन में सोमवार के दिन पूजा करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है.

सावन के दौरान कई भक्त घर पर शिवलिंग की स्थापना कर उसकी पूजा करते हैं. घर में शिवलिंग की पूजा के लिए खास नियम और विधि बताई गई है. अगर आप भी सावन के पूरे महीने में यहां बताई गई विधि से शिवलिंग की पूजा करते हैं तो इससे आपके समस्त कष्ट दूर हो सकते हैं और जीवन में समृद्धि बनी रहती है. ऐसे में आइए आपको बताते हैं सावन के महीने में किस तरह से शिव उपासना की जाए जिससे शिव कृपा का लाभ मिल सके.

सावन में शिवलिंग पूजा का महत्व

हिंदू कैलेंडर के अनुसार सावन को एक बेहद पूजनीय और पावन महीना माना जाता है जो विशेष रूप से भगवान शिव की आराधना के लिए समर्पित होता है. इस शुभ महीने के दौरान भक्त समृद्धि, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास का आशीर्वाद पाने के लिए विभिन्न अनुष्ठान करते हैं. सावन में किए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठानों में से एक है शिवलिंग की पूजा. धार्मिक मान्यता है कि शिवलिंग की पूजा का विशेष लाभ मिलते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है.

शिव पुराण में सावन के दौरान शिवलिंग की पूजा का महत्व माना गया है क्योंकि सावन हिंदू चंद्र कैलेंडर का पांचवां महीना होता है. ऐसा माना जाता है कि इस महीने के दौरान, ब्रह्मांड शिव में दिव्य ऊर्जा भर जाती है, जिससे यह शिवलिंग की पूजा के लिए आदर्श समय बताया गया है. सावन चातुर्मास के दौरान पड़ता है और इस दौरान जगत पालनहार भगवान विष्णु सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव को सौंप देते हैं. इसी वजह से जो भी भक्त सावन में शिवलिंग की पूजा करता है, उसके जीवन की हर परेशानी दूर हो जाती है.

घर में कौन से शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए?

सावन में घर में शिवलिंग की पूजा करें तो आपको घर में कौन सा शिवलिंग रखना चाहिए यह भी बेहद महत्वपूर्ण होता है. ज्योतिष के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग रखना सबसे शुभ माना गया है. इसके अलावा आप स्फटिक का शिवलिंग भी घर में रख सकते हैं.

अगर आप नर्मदा नदी के शिवलिंग की पूजा करते हैं तो यह सबसे ज्यादा शुभ होता है. शिवलिंग भगवान शंकर के निराकार रूप का प्रतिनिधित्व करता है और उनके अनंत स्वरूप का प्रतीक भी माना गया है, इसलिए कुछ विशेष प्रकार के शिवलिंग की ही पूजा घर में करने की सलाह दी जाती है.

सावन शिवलिंग पूजा सामग्री

अगर आप घर में शिवलिंग की पूजा या अभिषेक करने करने जा रहे हैं, तो आपको कुछ खास सामग्रियों की जरूरत होती है. आइए इनके बारे में जानें –बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी के पत्ते, बिल्व पत्र, चंदन का लेप, आक के फूल, सफेद फूल, कमल, मौसमी फल, शहद, शक्कर, चीनी, गंगाजल, गाय का दूध, अगरबत्ती, कपूर, घी का दीपक, धूप, दीप, गंध, नैवेद्य, प्रसाद के लिए मिठाई, आचमन के लिए जल का पात्र.

सावन में शिवलिंग की पूजा विधि

धार्मिक मान्यता ह कि शिवलिंग की पूजा हमेशा विधि-विधान से की जानी चाहिए, इससे आपके जीवन में खुशहाली बनी रहती है. शिवलिंग के पूजा के लिए आपका तन और मन दोनों पवित्र होना चाहिए. सावन में शिवलिंग की पूजा करने की विधि नीचे बताई गई है–

सावन में शिवलिंग का पूजा करने के लिए सबसे पहले शिवलिंग का अभिषेक करें. इसके लिए दूध, दही, शहद और गंगाजल से शिवलिंग को स्नान कराएं. जब भी शिवलिंग का अभिषेक करें, उन्हें जल से भी स्नान कराना चाहिए.

शिवलिंग को स्नान कराने के लिए तांबे के लोटे में जल भरकर जलहरी पर चढ़ाएं. सबसे पहले शिवलिंग के चारों तरफ बनी जलहरी में जल दाहिनी तरफ से जल चढ़ाएं.

मान्यता के अनुसार, यह स्थान गणपति बप्पा का माना जाता है और हमेशा जलाभिषेक इसी स्थान से शुरू करना चाहिए. जलहरी के बाद इसके बाईं ओर जल चढ़ाएं जहां कार्तिकेय का निवास माना गया है. इसके बाद आप शिवलिंग के बीच में जल चढ़ा सकते हैं.

अगर आप शिवलिंग की पूजा घर में कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि हमेशा जलाभिषेक बैठकर ही करें. घर में शिवलिंग की पूजा के बाद आप भगवान शिव की आरती करें और प्रसाद चढ़ाएं.

अगर आप मंदिर में शिवलिंग की पूजा करें तो कभी भी शिवलिंग की पूरी परिक्रमा न करें. साथ ही ध्यान रहे कि कभी भी जलहरी को लांगना नहीं चाहिए.

शिवलिंग का जलाभिषेक करने के बाद उसपर चंदन का तिलक लगाएं और उसके बाद बेलपत्र, फूल-माला, भांग-धतूरा आदि चढ़ाएं. शिवलिंग की पूजा के समय उसके आस-पास की जगह खाली रखनी चाहिए, जिससे जल सीधे ही जलहरी से नीचे एक प्रवाह में बहे.

सावन में शिव पूजा के नियम

1. इन चीजों का करें त्याग– सावन के शुरू होते ही तामसिक चीजों जैसे मांस, शराब, नशीले पदार्थ, लहसुन, प्याज आदि का सेवन नहीं करना चाहिए. सावन में पूरे महीने सात्विक भोजन करना चाहिए. पूजा से पहले स्नान करके साफ कपड़े पहनने चाहिए.

2. शिवलिंग पर ये चीजें न चढ़ाएं– महादेव की पूजा में तुलसी के पत्ते, हल्दी, केतकी का फूल, सिंदूर, शंख, नारियल आदि चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. ये सभी चीजें शिव पूजा में वर्जित मानी गई हैं.

3. इन दिनों पर व्रत रखना है शुभ– सावन के सोमवार, प्रदोष व्रत और शिवरात्रि के दिन व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए. ये तीनों ही दिन शिव जी की कृपा पाने के लिए सबसे विशेष माने गए हैं.

4. शिव जी मंत्रों का जाप करें– सावन में सामान्य पूजा के दौरान आप ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप कर सकते हैं. आप शिव चालीसा पढ़कर भी भगवान शिव की आरती कर सकते हैं. आरती करने से पूजा की कमियां दूर हो जाती हैं.

5. शिवलिंग के आकार का रखें ध्यान– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में स्थापित किए जाने वाले शिवलिंग का आकार हमेशा छोटा ही होना चाहिए. घर में अंगूठे के आकार का शिवलिंग स्थापित करना सबसे उत्तम है. इसके अलावा शिवलिंग अकेले नहीं रखना चाहिए. उसके साथ में नंदी या शिव परिवार की फोटो जरूर रखें.

6. जलधारा युक्त शिवलिंग– शास्त्रों के मुताबिक, शिवलिंग से हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. उस ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करने के लिए ही शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है. शिवलिंग की ऊर्जा को शांत रखने के लिए जलधारा होना जरूरी है.

7. इस दिशा में रखें शिवलिंग – घर में शिवलिंग की स्थापना ऐसे करें कि जलधारा उत्तर दिशा की ओर रहे. वहीं, घर में हमेशा एक शिवलिंग की ही स्थापना करना चाहिए. घर में एक से ज्यादा शिवलिंग की स्थापना करना अशुभ माना जाता है.

कब से शुरू हो रहा पवित्र माह सावन?

हिंदू पंचांग के मुताबिक, इस बार सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है, जो 9 अगस्त तक चलेगा यानी सावन का अंतिम दिन 9 अगस्त हैं। 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा है, जो 10 जुलाई की रात 01.36 बजे शुरू होगा और 11 जुलाई की रात 02.06 बजे तक रहेगा। इसके बाद सावन या कहें श्रावण माह की प्रतिपदा तिथि लगेगी। सावन माह की प्रतिपदा तिथि 11 जुलाई की रात 11.07 बजे शुरू होगी, जो 12 जुलाई की रात 02.08 बजे खत्म होगी। चूंकि हिंदू धर्म में शिव पूजा निशित काल में करने का विधान है, ऐसे में 11 जुलाई को ही सावन का आरंभ माना जाएगा।

इस बार 4 सोमवार व्रत पड़ेंगे, जो पहला 14 जुलाई, दूसरा 21 जुलाई, तीसरा 28 जुलाई और चौथा सोमवार 4 अगस्त को रखा जाएगा।

सोमवार व्रत के लाभ

सावन में सोमवार के व्रत का विशेष महत्व है, जिसके बारे में शिव पुराण में भी बताया गया है। माना जाता है कि जो शिव भक्त श्रद्धा और नियम से सावन के सभी सोमवार व्रत रखते हैं, उन्हें भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। सोमवार व्रत करने से जातक के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। साथ ही ग्रहों की प्रतिकूल दशा में भी सुधार आता है।

सावन में इन राशियों की किस्मत चमकेगी, पैसों की कमी होगी दूर

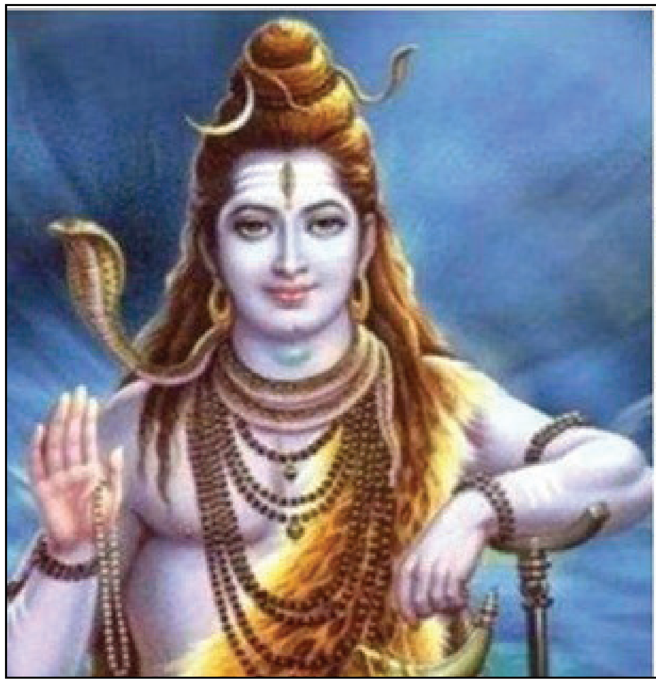

सावन का महीना भगवान शिव का बहुत ही प्रिय माना जाता है। इस माह में शिवजी की पूजा, आराधना और भक्ति से शुभ फल मिलते हैं। लोग अलग-अलग तरह से इस महीने में भोलेनाथ की भक्ति करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। सावन के दौरान सोमवार के व्रत का विशेष महत्व होता है। शिवलिंग पर जल चढ़ाना, कांवड़ यात्रा में जाना, और सावन के व्रत-त्योहारों का पालन करना इस माह की खास परंपराएं हैं। सावन का पवित्र माह कई राशियों के लिए शुभ परिणाम लेकर आता है। आइए जानते हैं सावन में किन राशियों की किस्मत चमकेगी और उन्हें क्या लाभ मिल सकते हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए सावन का महीना शुभ और फलदायी रहेगा। इस समय आपके कई रुके हुए काम बन सकते हैं। मेहनत का फल मिलेगा और तरक्की के अवसर मिलेंगे। नौकरी में लंबे समय से चल रही कठिनाइयों का समाधान होगा। मेहनत के अनुसार सफलता मिलने की संभावना बढ़ेगी।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए सावन का महीना बहुत ही शुभ रहेगा। इस माह में नए रास्ते खुलेंगे और आपके कई नए विचार सफल होंगे। सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। आप अपने जीवन में कुछ नए फैसले लेकर आगे बढ़ेंगे। यह समय आपके लिए भाग्यशाली साबित होगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए सावन का महीना मान-सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा लेकर आएगा। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा और आपके नए कार्यों में लाभ होगा। सेहत भी बेहतर रहेगी। साथ ही आपके प्रेम जीवन में भी सुधार आएगा और जीवन साथी से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा।

मकर राशि

मकर राशि के लिए सावन का महीना भगवान शिव और शनि देव की कृपा से फलदायक रहेगा। इस समय बिजनेस या काम में उन्नति के कई अवसर मिलेंगे। दान-पुण्य के कार्यों में खुद को व्यस्त रखें क्योंकि यह आपके भाग्य को और मजबूत करेगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि वालों पर भी सावन में भोलेनाथ और शनि देव की विशेष कृपा रहेगी। आपको अपनी वाणी में सावधानी रखनी होगी और किसी से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए। कटु शब्दों से बचें। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी और जीवन की परेशानियों का अंत होगा।

सावन का महीना धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस माह में भक्ति, पूजा और दान से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। सभी राशियों को सावन के इस पावन माह में भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज हुआ जर्जर, कई जगह आए क्रैक्स

-अभियंताओं की टीम ने किया निरीक्षण, जल्द मरम्मत कराने की कही बात

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मालगाड़ी के टकराने से टूटा माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया है। अभियंताओं की टीम ने निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ से इसका आडिट कराने की अनुशंसा की है। बता दें 1970 में इस पुल का निर्माण कराया गया था। रेलवे और पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया यह पुल काफी अहम है। 2013 में एक मालगाड़ी के टकराने से यह पुल बीच से टूट गया था। 2014-15 में मरम्मत के बाद इस पर फिर परिचालन शुरू हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुल की स्थिति का अभियंताओं की टीम ने एक जुलाई को निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच सौ मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस पुल के पाए का प्लास्टर झड़ रहा है। इसके अलावा इसके कैप का कंक्रीट भी झड़ रहा है। इससे इसका छड़ दिख रही है। इसमें जंग लग गया है। सुपरस्ट्रक्चर स्लैब के 100 फिट भाग का आरसीसी भी डैमेज पाया गया। इसके छड़ में भी जंग लग गया है। पुल की रेलिंग में क्रैक्स पाए गए हैं। इसे देखते हुए इस ओवरब्रिज की स्थिति अच्छी नहीं है। इसकी जल्द ही मरम्मत कराना जरूरी है। अभियंताओं ने इसका आडिट कराने या अन्य निर्णय के लिए डीएम से मार्गदर्शन मांगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुल पर रात में मालवाहक एवं भारी वाहनों का परिचालन होता है। शहर के मुख्य बाजार एवं बाबा गरीबनाथ मंदिर जाने का भी यह अहम रास्ता है।

भारी बारिश में रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिरी, 500 करोड़ से किया गया था निर्माण

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा में 24 घंटे की बारिश में हाल ही बने एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल गिर गई। इस एयरपोर्ट के निर्माण में करीब 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। 15 फरवरी 2023 को शिलान्यास के बाद एयरपोर्ट करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार हुआ था। पीएम मोदी ने 20 अक्टूबर 24 को इसका वर्चुअल लोकार्पण किया था। इस एयरपोर्ट को बनाने में करीब पांच गांवों की 323 एकड़ जमीन को 99 साल के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण को दी गई है। राज्य में भोपाल, जबलपुर, खजुराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद रीवा 6वां एयरपोर्ट है, जिसे डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने लाइसेंस दिया है। यह जिला मुख्यालय से करीब 12 किमी दूर बना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारी बारिश की वजह से एयरपोर्ट एरिया की जमीन धंस गई, जिससे दीवार का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया।

छांगुर बाबा के 18 खातों में 68 करोड़, 7 करोड़ विदेश से फंडिंग

- ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में कथित धर्मांतरण गिरोह चलाने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो चुकी है और जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। ईडी को बाबा के कुल 30 बैंक खातों में से अब तक 18 की जानकारी मिली है, जिनमें लगभग 68 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि केवल बीते तीन महीनों में ही इन खातों में करीब 7 करोड़ की विदेशी फंडिंग दर्ज हुई है। यह फंडिंग विभिन्न देशों से कई ट्रांजेक्शन के जरिए की गई, जिससे ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका है। सूत्रों के अनुसार यह रकम बाबा के कथित आध्यात्मिक कार्यों के नाम पर भेजी गई, लेकिन असल में इसका उपयोग किस उद्देश्य से हुआ, इसकी जांच जारी है। ईडी अब उनकी संपत्तियों, आयकर रिटर्न, लेन-देन और फर्जी ट्रस्टों के माध्यम से संपत्ति खरीद की गहराई से जांच कर रही है। ऐसा संदेह है कि छांगुर बाबा ने कई संपत्तियाँ अपने सहयोगियों और ट्रस्टों के नाम पर खरीदीं, जिनके पीछे वही असली मालिक हैं। बाकी 12 बैंक खातों की जानकारी मिलने के बाद जांच और तेज़ हो जाएगी। फिलहाल छांगुर बाबा यूपी एटीएस की रिमांड में हैं और ईडी की नजर अब उनके नेटवर्क, विदेशी फंडिंग के स्रोत और धन के उपयोग पर है। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

दिल्ली में नशे में कार चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत विहार इलाके में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। शिवा कैंप के पास फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को एक तेज रफ्तार सफेद ऑडी कार ने कुचल दिया। हादसे में एक आठ साल की बच्ची समेत सभी घायल हो गए। घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी चालक का नाम उत्सव शेखर है, जो 40 वर्ष का और द्वारका का निवासी है। वह नोएडा से द्वारका लौट रहा था और शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था। मेडिकल जांच में भी यह बात साबित हुई है। हादसे के बाद आरोपी भागने की कोशिश में एक ट्रक से टकरा गया, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि करीब 15 लोग फुटपाथ पर सो रहे थे, जिनमें से पांच लोग इस हादसे का शिकार बने। घायल राजस्थान के रहने वाले हैं, जिनमें लाढ़ी (40), उनकी बेटी बिमला (8), पति सबामी उर्फ चिर्मा (45), रामचंदर (45) और उनकी पत्नी नारायणी (35) शामिल हैं। ये सभी मजदूरी करते हैं और भीख मांगकर जीवन यापन करते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर उसकी कार जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) ने बताया कि सभी घायल लोगों की हालत फिलहाल स्थिर है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हादसे के वक्त की सही परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहा: धनखड़

कोटा (एजेंसी)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है।

मीडिया रिपोर्अ के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना की और कहा कि विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई करते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे लेकिन हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने लोगों, समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में आत्म नियंत्रण लाने के लिए एकजुट हों।

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- 21वीं सदी का युद्ध क्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई। अंकुर अग्रवाल को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और ध्रुव गुप्ता को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल दिया गया। इससे पहले संस्थान में उपराष्ट्रपति ने एक पेड़ पिता के नाम और एक पेड़ मां के नाम लगाया।

सत्ता और पावर में आते ही लोग अहंकारी हो जाते है : नितिन गडकरी

नागपुर (एजेंसी)। यहां एक सम्मेलन में प्राचार्यों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सत्ता, धन, ज्ञान और सुंदरता प्राप्त करने वाले लोग अक्सर अहंकारी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब लोग यह मानने लगते हैं कि वे सबसे बुद्धिमान हैं, तो उनकी दृढ़ता दूसरों पर प्रभुत्व में बदल सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा, लेकिन कोई भी खुद को थोपकर महान नहीं बनता।

इतिहास देखिए, जिन्हें अपने लोगों ने स्वीकार किया है उन्हें कभी किसी पर खुद को थोपना नहीं पड़ा। गडकरी ने नेताओं के बीच अहंकार के इस जाल पर दुख जताया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं सबसे बुद्धिमान हूं। मैं साहब बन गया हूं... मैं दूसरों की गिनती भी नहीं करता। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा अहंकार सच्चे नेतृत्व को कमजोर कर देता है। गडकरी ने शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि यहां तक कि शिक्षक नियुक्तियों में भी घूस ली जाती है। यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए पूछा, इतनी भ्रष्ट व्यवस्था में सड़कें कैसे बनती हैं? उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनौतियों को अवसर में बदलते हैं, जबकि कुछ मौके बर्बाद कर देते हैं। गडकरी ने सही नेतृत्व की परिभाषा देते हुए कहा कि किसी भी संस्था की ताकत, चाहे वह राजनीति हो, समाज सेवा हो या कॉर्पोरेट, मानवीय रिश्तों में निहित होती है। उन्होंने कहा, आप अपने अधीनस्थों से कैसे व्यवहार करते हैं, यही असली नेतृत्व है। सम्मान मांगने से नहीं मिलता, वह कर्मों से अर्जित होता है।उनकी टिप्पणियों को विपक्ष ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर परोक्ष हमला बताया। कांग्रेस नेता और पूर्व महाराष्ट्र मंत्री नितिन राऊत ने कहा, गडकरी जी का बयान भाजपा के अंदर फैले अहंकार और आत्मकेंद्रित रवैये पर सीधा इशारा करता है।

महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास जम्मू-कश्मीर में शांति व समृद्धि की कुंजी: एलजी

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद और नशे की लत जैसी चुनौतियों पर काबू पाने तथा एक शांतिपूर्ण व समृद्ध केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व में विकास महत्वपूर्ण है।

सिन्हा दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बालापुर में स्थित आर्मी गुडविल स्कूल में महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्कूल और पुलवामा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पंपोर में पांच अन्य उद्यमिता और आजीविका संवर्धन केंद्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण और संवर्धन कौशल पाठ्यक्रम पूरा करने वाली महिला प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर में महिला सशक्तीकरण एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास आतंकवाद, नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने और एक शांतिपूर्ण व समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाने में हमारी मदद करेगा।

हरिद्वार में कांवड़ लेने पहुंच रहे शिव भक्त, अब तक 6 लाख ने भरे कावड़

-डीएम ने की अपील कांवड़िए पटरी का ही करें उपयोग ताकि परेशानी न हो

हरिद्वार (एजेंसी)। सावन के महीने में हरिद्वार में चल रहे कांवड़ मेले में शिवभक्तों की श्रद्धा देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों से आए श्रद्धालु गंगाजल भरकर अपने-अपने गंतव्यों को जा रहे हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक शुक्रवार को करीब 4 लाख शिवभक्तों ने गंगाजल भरकर यात्रा शुरू की, जबकि शनिवार को कांवड़ यात्रियों की संख्या 6 लाख पहुंच गई। जो अब तक के आंकड़ों में सबसे बड़ी संख्या बताई जा रही है। हरिद्वार में कांवड़ यात्रियों की संख्या गुरु पूर्णिमा से शुरू हो गई थी। गुरुपूर्णिमा पर 3.90 लाख शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी समेत कई घाटों से गंगाजल एकत्र कर जलाभिषेक के लिए प्रस्थान किया था। अब कांवड़ मेले में दिन-प्रतिदिन शिवभक्तों की संख्या में तीव्र वृद्धि हो रही है।

गंगाजल भरने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला और मेला नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय है। एसएसपी के मुताबिक शुक्रवार व शनिवार करीब दस लाख शिवभक्तों ने जल भरा। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन कैमरों से निगरानी, जगह-जगह चेक पोस्ट और ट्रैफिक डायवर्जन की प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है। महिला सुरक्षा को लेकर भी महिला पुलिस कर्मियों को कई संवेदनशील स्थलों पर तैनात किया है।

जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें और किसी भी स्थिति में नियमों का उल्लंघन न करें। किसी भी समस्या की स्थिति में कांवड़ नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल करें। प्रशासन की ओर से जो मार्ग व दिशा निर्देश दिए गए हैं उन्हीं के अनुसार चले। कांवड़ पटरी का ही उपयोग करें। कांवड़ पटरी पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। कांवड़ मेले के दृष्टिगत शनिवार को डीएम व एसएसपी ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ पटरी पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य की सुविधा सुचारू है। शनिवार उन्होंने नहर पटरी बहादराबाद, धनौरी, कलियर होते हुए वापस सिटी कंट्रोल रूम तक निरीक्षण किया। कई स्थानों पर कांवड़ यात्रियों से भी बातचीत की। कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरों से मेला क्षेत्र की मॉनिटरिंग की जा रही है। बता दें शंकराचार्य चौक और ऋषिकुल तिराह के बीच कांवड़ पटरी के किनारे चद्द को उखाड़कर और लोहे के एंगिल तोड़कर कांवड़िए हाईवे पर आ गए। यह क्रम शनिवार की सुबह से दोपहर तक चलता रहा। दोपहर में जब जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निरीक्षण के लिए पहुंचे तो उनकी नजर में यह घटनाक्रम आया। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों द्वारा पटरी के किनारे जो हिस्सा तोड़ा गया है, उसे सही कराया जा रहा है, जिससे हाईवे पर आने वाला रास्ता बंद हो सके। कांवड़ यात्रियों के लिए कांवड़ पटरी को पूरी तरह से सुरक्षित और सुविधा युक्त बनाया गया है।

पत्नी बिना ठोस कारण के पति से अलग रहती है तो भरण-पोषण की हकदार नहीं

-इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, केस वापस फैमिली कोर्ट को भेजा

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर पत्नी बिना किसी ठोस कारण के पति से अलग रहती है, तो वह पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार नहीं है। यह फैसला मेरठ की एक फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए दिया गया, जिसमें पत्नी को पांच हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया गया था।

बता दें मेरठ के रहने वाले विपुल अग्रवाल ने फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। फैमिली कोर्ट ने 17 फरवरी 2025 को आदेश दिया था कि पति विपुल अपनी पत्नी को 5,000 और नाबालिग बच्चे को 3,000 प्रति माह भरण-पोषण के रूप में दें। न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि फैमिली कोर्ट के फैसले में स्पष्ट विरोधाभास है।

ट्रायल कोर्ट ने माना था कि पत्नी पर्याप्त कारणों के बिना पति से अलग रह रही है, फिर भी भरण-पोषण देने का आदेश दे दिया गया, जो सही नहीं है। अगर पत्नी बिना वैध कारण के पति से अलग रहती है, तो वह भरण पोषण की हकदार नहीं है। अगर ट्रायल कोर्ट खुद मानता है कि पत्नी के पास अलग रहने का कोई उचित कारण नहीं है, तो फिर भरण-पोषण देना कैसे सही ठहराया जा सकता है? इससे न्यायिक प्रक्रिया में असंगति आती है।

पत्नी और राज्य सरकार के वकीलों ने कहा कि पत्नी पति की उपेक्षा के कारण अलग रह रही है, इसलिए उसे भरण-पोषण मिलना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का फैसला और उसमें दिए गए तर्क आपस में मेल नहीं खाते हैं। हाईकोर्ट ने मामला फिर से विचार के लिए फैमिली कोर्ट को वापस भेज दिया है। जब तक ट्रायल दोबारा पूरी नहीं हो जाती, तब तक पति को अंतरिम राहत के तहत पत्नी को 3,000 प्रति माह, बच्चे को 2,000 प्रति माह देना होगा। यह फैसला साफ करता है कि सिर्फ अलग रहना ही भरण-पोषण का आधार नहीं हो सकता। महिला को यह साबित करना होगा कि वह उचित कारण से पति से अलग रह रही है।

गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉइस, बीजेपी करे संघ प्रमुख के बयान का सम्मान

-कांग्रेस विधायक ने मोहन भागवत के 75 साल वाले बयान का समर्थन कर की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के एक विधायक ने नितिन गडकरी को पीएम बनाने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के रिटायरमेंट वाले बयान का हवाला दिया है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्णा कर्नाटक की सागर विधानसभा से विधायक हैं। उन्होंने भागवत के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि अगर इसके हिसाब से नरेंद्र मोदी पीएम पद से रिटायर होते हैं तो गडकरी को पीएम बनना चाहिए। वह इस पद के लिए सही च्वॉइस होंगे।

बता दें मोहन भागवत ने कहा था कि 75 साल की उम्र पूरी होने के बाद नेताओं को सत्ता से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके बाद कांग्रेस ने निशाना साधते हुए कहा था

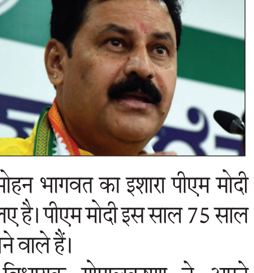

कि मोहन भागवत का इशारा पीएम मोदी के लिए है। पीएम मोदी इस साल 75 साल के होने वाले हैं।

विधायक गोपालकृष्णा ने अपने बयान में कहा है कि अगर भागवत के 75 साल में रिटायरमेंट वाली बात के हिसाब से पीएम मोदी पद से हटते हैं तो नितिन गडकरी को अगला पीएम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉयस होंगे। उन्होंने कहा कि गडकरी को देश के गरीब लोगों की ज्यादा चिंता है। गोपालकृष्णा ने कहा कि बीजेपी ने 75 साल का होने के बाद बीएस येदियुरप्पा को इस्तीफा देने पर मजबूर किया। उस वक्त उनकी आंखों में आंसू भरे हुए थे। अब बीजेपी को संघ चीफ की इच्छा का सम्मान करना चाहिए और यही फॉर्मूला पीएम पद भी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है। अमीर और अमीर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का धन कुछ लोगों के हाथ में जा रहा है। इसको देखते हुए नितिन गडकरी पीएम पद के लिए सबसे योग्य इंसान हैं। बीजेपी हाईकमान को इस बारे में सोचना चाहिए।

चुनाव आयोग का खुलासा, बिहार की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के नागरिकों के नाम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के विदेशी नागरिकों के नाम शामिल पाए गए हैं। दरअसल घर-धर जाकर किए जा रहे सत्यापन के दौरान यह बात भी सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के पास वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज भी हैं। इस खुलासे ने न केवल प्रशासन को, बल्कि सियासी हलकों में भी हलचल पैदा कर दी है। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि ऐसे अवैध मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। आयोग के मुताबिक, एसआईआर अभियान का मकसद ही फर्जी और गैरकानूनी मतदाताओं को पहचान कर सूची से हटाना है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त 2025 के बाद उचित जांच के पश्चात ऐसे नामों को 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने संकेत दिया है कि फाइनल लिस्ट के साथ इन विदेशी मतदाताओं की संख्या भी सार्वजनिक की जाएगी। फिलहाल मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आई कार्ड की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आपको बता दें कि बांग्लादेश और नेपाल की सीमा से सटे बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया को सीमांचल नाम से पुकारा जाता है।

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण पूरी तरह बदल गई डेमोग्राफी

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण इस इलाके की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गई है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमांचल में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। किशनगंज बिहार का ऐसा जिला है, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि सरकारी दस्तावेज में अवैध घुसपैठियों के भारतीय नागरिक के रूप में उनका नाम-मुकाम भी दर्ज हो जा रहा। इसी आधार पर वे तमाम योजनाओं के हकदार भी बन जा रहे हैं। सीमांचल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का दबदबा इस कदर बढ़ गया है कि वहां के हिंदू पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। सीमांचल कहलाने वाले बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के कारण बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय बदलाव हुए हैं, जिनके कारण इन इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं।

सीमांचल में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक

बिहार के किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया जिलों में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। कुछ लोग मानते हैं कि अधिक संख्या में आधार कार्ड बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए बनाए गए हैं। उनका दावा है कि स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों ने इसमें मदद की है। हाल ही में हुई जातिगत जनगणना से पता चला है कि किशनगंज में मुस्लिम आबादी 68 फीसदी, अररिया में 50 फीसदी, कटिहार में 45 फीसदी और पूर्णिया में 39 फीसदी हो गई है। केंद्र सरकार सीमांचल में हो रहे इन बदलावों को लेकर चिंतित है। रिपोर्ट के मुताबिक

बिहार के इन जिलों में मुसलमानों की आबादी करीब 40 से बढ़कर करीब 70 फीसदी हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमांचल के कई ऐसे जिले हैं, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो गए और बाद में प्रताड़ना से तंग आकर वहां से पलायन कर गए। अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के रामपुर गांव के हिंदू पलायन कर दोगांछी गांव चले गए। यहां हिंदुओं की आबादी थोड़ी अधिक है।

बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में

बहरहाल बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आईडी की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

रूस ने पोलिश वाणिज्य दूतावास बंद किया

मास्को, एजेंसी। रूस ने शुक्रवार को पोलैंड के एक वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया। यह दूतावास रूस के कैलिनिनग्राद शहर में था। यह फैसला रूस और पोलैंड के बीच बढ़ते तनाव के चलते लिया गया है। पोलैंड ने पहले अपने शहर क्राको में रूस का एक वाणिज्य दूतावास बंद कर दिया था। रूस का कहना है कि यह नया फैसला पोलैंड की उसी कार्रवाई का जवाब है। रूस ने कहा, अगर कोई हमारे खिलाफ गलत कदम उठाएगा, तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। पोलैंड ने क्राको में रूसी दूतावास इसलिए बंद किया था, क्योंकि राजधानी वारसॉ में एक शॉपिंग सेंटर में आग लग गई थी। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने आरोप लगाया कि यह आग रूस की खुफिया एजेंसियों ने लगवाई थी। यह आग 12 मई 2024 को लगी थी। हालांकि, इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इसमें 1,400 दुकानें और सर्विस सेंटर तबाह हो गए। इनमें से कई दुकानें वियतनामी लोगों की थीं। रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है। उसने कहा है कि पोलैंड में आगजनी और दूसरी घटनाओं से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

शेख हसीना के करीबी अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के एक और नजदीकी पर गाज गिरी है। बांग्लादेश पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) ने बृहस्पतिवार आधी रात को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अबुल बरकत को गिरफ्तार किया। उन पर एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका की हेराफेरी का आरोप है। वह हसीना कार्यकाल में सरकारी स्वामित्व वाले जनता बैंक के अध्यक्ष थे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने बताया, हमने अबुल बरकत को एसीसी (भ्रष्टाचार विरोधी आयोग) मामले में आरोपी के तौर पर गिरफ्तार किया है। हम उन्हें एसीसी को सौंप देंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, अवामी लीग के शासनकाल में अबुल बरकत सहित 30 लोगों के खिलाफ एनॉनटेक्स नामक कंपनी द्वारा ऋण धोखाधड़ी के जरिये करोड़ों टका का गबन करने का मामला दर्ज किया गया था।

यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने कहा- हमले में चार लोगों के मारे जाने की आशंका, 11 लापता

दुबई, एजेंसी। यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने शुक्रवार को बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक मालवाहक जहाज लाल सागर में डूब गया। इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा था। नौसैनिक मिशन ने कहा कि हमले में कम से कम चार लोगों के मारे जाने और 11 अन्य के लापता होने की आशंका है। यह जानकारी यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स नाम के नौसैनिक मिशन ने दी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब निजी सुरक्षा बल यूनानी स्वामित्व वाले जहाज एटरनिटी सी के बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह जहाज बुधवार को डूब गया था। यूरोपीय संघ के अभियान के अनुसार, हमले के बाद अब तक 10 लोगों को बचा लिया गया है। इनमें 8 फिलिपिनो चालक दल के सदस्य हैं। बाकी दो जहाज की तीन सदस्यीय सुरक्षा टीम से हैं- इनमें एक यूनानी और एक भारतीय शामिल है। मिशन ने बताया कि 15 लोग लापता है, जिनमें से चार की मौत होने की आशंका है। यूरोपीय संघ मिशन ने कहा, आस-पास के सभी जहाजों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हूती विद्रोहियों ने कहा कि कुछ चालक दल के सदस्य उनके कब्जे में हैं। एक दशक से सऊदी अरब से संचालित यमन में अमेरिकी दूतावास ने हूतियों पर नाविकों का अपहरण करने का आरोप लगाया है। ईरान समर्थित हूतियों द्वारा किया गया यह हमला अब तक के सबसे घातक समुद्री हमलों में से एक है, जो इस महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्ते पर किया है। इस रास्ते से पहले हर साल करीब 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का माल जाता था। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इजराइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में फलस्तीनियों का समर्थन करने वाले जहाजों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अब तक चार जहाजों को डुबो चुके हैं और उन नाविकों को मार चुके हैं, जिनकी युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। एटरनिटी सी पर हमला पिछले हफ्ते मैजिक सीज नाम के जहाज पर हुए हमले जैसा ही था। इन दोनों घटनाओं के समय कोई यूरोपीय या अमेरिकी नौसेना इन जहाजों के साथ नहीं थी। हूतियों ने पहले भी नाविकों को बंधक बनाया है। नवंबर 2023 में उन्होंने गैलेक्सी लीडर नामक जहाज को कब्जे में ले लिया था और उसके चालक दल को इस साल जनवरी तक बंधक बनाकर रखा।

टेक्सास में बाढ़ पीड़ितों से मिले ट्रंप, बोले- ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी, फेमा पर साधी चुप्पी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टेक्सास के केरविल शहर का दौरा किया, जहां 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस बाढ़ में अब तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 170 से ज्यादा लोग लापता हैं। ट्रंप ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों में जुटे स्थानीय अधिकारियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पहली बार भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप लंबे समय से फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) को खत्म करने की बात करते रहे हैं। लेकिन टेक्सास में भारी नुकसान देखने के बाद उन्होंने फेमा की भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय उन्होंने कहा कि हम जो भी कर सकते हैं, टेक्सास के लिए करेंगे। ट्रंप ने 8 और काउंटियों को डिजास्टर जोन घोषित कर, उन्हें फेडरल मदद दिलाने का ऐलान भी किया। ट्रंप ने केरविल में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया और कहा कि यहां जो लोग खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, वे अविश्वसनीय हैं। ऐसा काम शायद ही कोई कर पाए। उन्होंने 'कैंप मिस्टिक' का विशेष रूप से जिक्र किया, जहां 27 लड़कियों की मौत हुई। मेलानिया ट्रंप ने भी स्थानीय युवतियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें एक खास ब्रेसलेट भेंट किया, जो मृत बालिकाओं की याद में बनाया गया था। पहले के विपरीत इस दौरे में ट्रंप ने राजनीतिक बयानबाजी से परहेज किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता। हम यहां पीड़ितों के लिए आए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उनकी नीतियों से देश में अंडों के दाम घटे हैं। इस दौरान उन्होंने फेमा को लेकर भी सकारात्मक बातें कहीं, जो कि कुछ हफ्ते पहले तक बंद करने की उनकी योजना का हिस्सा थी। उन्होंने टेक्सास के सांसद चिप रॉय की भी तारीफ की, जिन्होंने पहले ट्रंप के टैक्स बिल का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि चिप आसान नहीं हैं, लेकिन अच्छा काम करते हैं। केर काउंटी कमिश्नर जेफ हेल्ट ने बताया कि बाढ़ के दौरान फोन टावर काम नहीं कर रहे थे और चेतावनी प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है।

ट्रंप सरकार की बड़ी कार्रवाई :

1300 राजनयिकों और कर्मचारियों की छंटनी से विदेश विभाग में मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन की नीतियों के तहत विदेश विभाग में बड़े स्तर पर बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत विदेश विभाग ने 1,300 राजनयिकों और सिविल सेवकों को नौकरी से निकाल दिया, जिससे विवाद और आलोचना शुरू हो गई है। इनमें 1,107 सिविल सेवक और लगभग 240 विदेश सेवा अधिकारी शामिल हैं। वाशिंगटन पोस्ट ने इस आशय की खबर दी है। विदेश विभाग इस कदम को ड्रास्टिक पुनर्गठन का हिस्सा बता रहा है। इसका उद्देश्य बजट में कटौती के साथ साथ विभाग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाना बताया जा रहा है। हालांकि, इस पर विपक्ष की ओर से तीखी आलोचना भी हो रही है।

विवाद और चिंता की लहर : राजनयिक व पूर्व कर्मचारी इसे विदेश नीति में अस्थिरता पैदा करने वाला कदम बता रहे हैं। उनका कहना है कि बड़े पैमाने पर छंटनी से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि और कामकाज प्रभावित हो सकता है।

ट्रंप प्रशासन के फैसले पर प्रतिक्रिया : पूर्व राजनयिकों ने इसे संस्थानिक अनुभव की बर्बादी बताया है। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह राजनयिक ताकत को कमजोर करने वाला कदम है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने भी निजी रूप से चिंता जाहिर की कि यह विदेश नीति को प्रभावित कर सकता है। कर्मचारी संघों ने इसे कठोर और अचानक फैसला बताया है जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है।

ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के कुछ अछूते पहलू : कांग्रेस में इस छंटनी पर हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी में सुनवाई की मांग की जा रही है। बर्खास्त कर्मचारियों के लिए लीगल सपोर्ट ग्रुप्स और एनजीओ सक्रिय हो चुके हैं। विदेश विभाग की ओर से कहा गया है कि कुछ पदों को संविदा में बदला जाएगा, जिससे खर्च घटेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ वरिष्ठ अधिकारी वैकल्पिक रोजगार की तलाश में निजी सेक्टर की ओर रुख कर रहे हैं।

दूतावासों और मिशनों में कार्यभार बढ़ गया : महिला राजनयिकों और अल्पसंख्यकों की बर्खास्ती की संख्या अपेक्षाकृत अधिक बताई जा रही है, जिससे विविधता पर असर पड़ा है। इस निर्णय से दूतावासों और मिशनों में कार्यभार बढ़ गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की प्रतिक्रिया समय प्रभावित हो रही है। विदेश नीति विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे कदम से ग्लोबल डिप्लोमैटिक रिलेशंस कमजोर हो सकते हैं। अमेरिका के कुछ सहयोगी देश भी इस पर चिंता जता चुके हैं, खासकर जहां दूतावासों का स्टाफ घटा है।

क्यों की गई 1,300+ लोगों की छंटनी ? : ट्रंप सरकार ने अपने अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विदेश विभाग में ढांचा बदलने का फैसला किया। इसका मकसद अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देना और विदेशों में होने वाले खर्चों में कटौती करना था।

ब्यूरोक्रेसी घटाना, काम की रफ्तार बढ़ाना : लगभग 300 से अधिक विभागों और कार्यालयों को मिलाया या बंद किया गया ताकि प्रशासनिक प्रक्रिया तेज़ और सरल हो सके। इससे निर्णय लेने में देरी कम होगी और कामकाज बेहतर होगा।

सरकारी खर्च में कटौती और बजट की बचत : सरकार ने अनुमान लगाया कि इस छंटनी से लगभग 15-18प्रतिशत खर्च घटेगा। करीब 1,900 पदों को हटाने की योजना बनाई गई, जिनमें से 1,300 पदों पर अभी की छंटनी लागू की गई है। यह कदम बजट में भारी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया।

म्यांमार में बौद्ध मठ पर बमबारी, चार बच्चों समेत 23 की मौत; सागाइंग कस्बे में रात 1 बजे गिराए बम

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार के सागाइंग कस्बे के लिन ता लू गांव स्थित एक बौद्ध मठ पर बृहस्पतिवार की रात जमकर हवाई हमले किए गए। मठ परिसर में शरण लिए 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक इमारत पर रात 1 बजे बम गिराया गया, जहां 4 बच्चों समेत 23 लोग मारे गए। क्षेत्र में लड़ाई से बचने के लिए आसपास के गांवों के 150 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी। म्यांमार की स्वतंत्र डेमोक्रेटिक वॉयस ऑफ बर्मा ने बताया, मृतक संख्या 30 तक हो सकती है। सेना ने घटना पर टिप्पणी नहीं की है।

दरअसल, फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और गृह युद्ध शुरू होने के बाद से म्यांमार उथल-पुथल में है। मठ पर हमला ऐसे वक्त हुआ, जब सैकड़ों सैनिकों ने लिन ता लू से 5 किमी क्षेत्र में टैंकों-विमानों के साथ आक्रामक अभियान में भाग लिया था। वे प्रतिरोध समूहों द्वारा नियंत्रित क्षेत्र वापस लेना चाहते थे। प्रतिरोध सेनानी ने कहा, यहां हजारों लोग गांवों में विस्थापित हो गए हैं।

विपक्ष की राष्ट्रीय एकता सरकार के प्रवक्ता ने कहा, सैन्य शासन वर्ष के अंत में होने वाले आम चुनाव से पहले विद्रोही नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर फिर से कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से मतपेटी के माध्यम से सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने को सामान्य बनाने का प्रयास बताया जा रहा है।

ईरान ने 16 दिन में 5 लाख अफगानियों को निकाला : इजराइल से संघर्ष के बाद शरणार्थियों पर कार्रवाई तेज

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने महज 16 दिनों में 5 लाख से ज्यादा अफगान नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया है। यह कार्रवाई 24 जून से 9 जुलाई के बीच हुई है। यानी हर दिन औसतन 30,000 से ज्यादा अफगानों को देश से निकाला गया। संयुक्त राष्ट्र ने इसे दशक की सबसे बड़ी जबरन निकासी में से एक करार दिया है। ईरान इजराइल के साथ तनावपूर्ण संघर्ष के बाद आंतरिक सुरक्षा का हवाला देकर प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, वरना उन्हें जबरन निकाला जाएगा। जून में ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन चले सैन्य संघर्ष के बाद यह अभियान और तेज हो गया।

शरणार्थी बोले- हमें भूखा रखा गया, पीटा गया, लूटा गया

ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर बेड़ियों में बांधा गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले।

ईरान से निकाले गए लोगों में सैकड़ों नाबालिग बच्चे हैं, जिनमें कई अनाथ और अकेले हैं।

यूएन के अनुसार, हर हफ्ते सैकड़ों बच्चों को बिना अभिभावकों के सीमा पर पाया जा रहा है। यूएन अधिकारी मिहयोंग पार्क ने सीएनएन से कहा कि यह संख्या चौंकाने वाली है।

आरोपी को टीवी पर जुर्म कुबूल कराया

ईरान के सरकारी चैनल पर एक अफगान नागरिक को इजराइल के लिए जासूसी कबूल करते दिखाया गया। उसने कहा कि उसे जर्मनी में रहने वाले एक अफगान ने कुछ जगहों की जानकारी देने के लिए कहा और 2 हजार डॉलर दिए। लेकिन उसका नाम, ठोस सबूत और प्रक्रिया कुछ भी नहीं बताया गया।

कतर में अमेरिकी बेस पर गिरी थी ईरान की मिसाइल : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पहली बार पुष्टि की है कि 22 जून को कतर में मौजूद उसके मिलिट्री एयरबेस पर ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल गिरी थी। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पर्नेल ने शुक्रवार को कहा कि मिसाइल से बेस पर सामान और ढांचे को हल्का नुकसान हुआ है। लेकिन एयरबेस अभी भी पूरी तरह चालू है और अमेरिका अपने कतरी साझेदारों के साथ मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा मिशन को जारी रखे हुए है। ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस को निशाना बनाया था। उसने कुल 6 मिसाइलें दागी थीं। ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी हमले की पुष्टि करते हुए बताया था कि उसने कतर में अमेरिका के बेस पर जवाबी मिसाइल हमला किया है।

सैटेलाइट इमेज से हुआ खुलासा

यह बयान एसोसिएटेड प्रेस की तरफ से जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों के बाद आया। इनमें एयरबेस पर हमले का असर साफ दिखता है। तस्वीरों के मुताबिक, 23 जून की सुबह एयरबेस पर एक जियोडेसिक डोम मौजूद था, जो हमले के बाद पूरी तरह नष्ट हो चुका है। यह डोम एक सैटेलाइट कम्युनिकेशन टर्मिनल को ढंकता था। इस टर्मिनल को 2015 में 15 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया गया था। इसके अंदर एक सैटेलाइट डिश लगी हुई थी। जो अमेरिकी वायु सेना की 379वीं वायु अभियान शाखा के लिए कम्युनिकेशन सिस्टम का हिस्सा थी। हमले के बाद की तस्वीरों में दिखा कि यह नहीं है और पास की एक इमारत को भी नुकसान हुआ है। हालांकि, एयरबेस का बाकी हिस्सा काफी हद तक सुरक्षित दिखता है।

अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था

अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर 7 बी-2 बॉम्बर से हमला किया था। इनमें फोर्डो, नतांज और इस्फहान शामिल थे। ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइल गिराने के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें जनरल डैन केन ने बताया कि ईरान में चले ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन मिडनाइट-हैमर' था। इसमें 125 से ज्यादा जेट शामिल हुए थे। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों की सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आईं।

एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन की हालत गंभीर, लंदन के अस्पताल में भर्ती

लंदन, एजेंसी। लंदन से ही कराची को कंट्रोल करने की क्षमता रखने वाले मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक अल्ताफ हुसैन को गंभीर बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अल्ताफ हुसैन 1992 से ही लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे हैं। अल्ताफ ने मोहाजिरों के अधिकारों के लिए मोहाजिर कौमी मूवमेंट नाम की पार्टी बनाई थी। हालांकि जब उनकी पार्टी का नाम अलगाववादियों के साथ जोड़ा जाने लगा तो उन्होंने ही मोहाजिर की जगह मुत्ताहिदा कर दिया। ब्रिटेन की सरकार ने उन्हें नागरिकता दे दी है। लंदन में रहकर भी पाकिस्तान की राजनीति में उनका दबदबा बना ही रहता है। वह अकसर वीडियो के जरिए अपने राजनीतिक भाषण पहुंचाते रहते हैं।

एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा उनके टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अल्ताफ हुसैन की अच्छी सेहत की दुआ करने की अपील की है। पाकिस्तानी अखबार डॉन से बात करते हुए अजीजाबादी ने कहा, तनाव से जूझ रहे अल्ताफ हुसैन के डॉक्टरों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी थी। इसके अलावा अन्य बीमारियों का भी इलाज चल रहा है। फिलहाल वह लंदन के अस्पातल में आईसीयू में भर्ती हैं। 2021 में उन्हें कोरोना भी हो गया था।

कौन हैं अल्ताफ हुसैन : साल 2018 से पहले कराची में अल्ताफ हुसैन का सिक्का चलता था। कराची की राजनीति उनके इशारे पर चलती थी। हालांकि बाद के सालों में उनका रुतबा कम होने लगा। अल्ताफ हुसैन ऐसे राजनेता हैं जिन्होंने पाकिस्तान में रहने वाले करोड़ों मोहाजिरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। विभाजन के बाद जो मुसलमान भारत से पाकिस्तान गए थे उन्हें मोहाजिर कहा जाता है। ज्यादातर मोहाजिर उर्दू भाषी हैं। हुसैन का जन्म 17 सितंबर 1953 को कराची में ही हुआ था। शुरुआती शिक्षा उन्होंने अजीजाबाद से ली। इसके बाद कराची यूनिवर्सिटी में फार्मेसी की पढ़ाई करने लगे। कराची विश्वविद्यालय में ही वह अजीम तारिक के संपर्क में आए। उन्होंने ऑल पाकिस्तान मोहाजिर स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन का गठन किया था। थोड़े ही समय में एपीएमएसओ की लोकप्रियता बढ़ी। इसके बाद हुसैन ने मोहाजिर कौमी मूवमेंट का स्थापना की। 1988 के चुनाव में सिंध के शहरी इलाकों में पार्टी ने क्लीन स्वीप कर दिया। वहीं 1990 में हुसैन खुद ही निर्वासित जीवन जीने के लिए लंदन चले गए।

कराची को पाक से अलग करने की मांग : हुसैन पर आरोप लगे कि सत्ता पाने के के लिए वह हिंसा कासहारा लेते हैं। वहीं हुसैन का कहना था कि उनके कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले होते हैं। 2013 हुसैन ने कराची को पाकिस्तान से अलग करने की मांग कर दी थी। वहीं बाद में उनकी पार्टी ने सफाई दी और कहा कि उनकी बातों का गलत मतलब निकाला गया है।

पाकिस्तान को बता दिया था दुनिया का कैंसर : हुसैन ने अगस्त 2016 में अपने एक भाषण में पाकिस्तान को दुनिया का कैंसर बता दिया था। इसके बाद एमक्यूएम कार्यकर्ताओं ने एआरवाई न्यूज के ऑफिस पर हमला कर दिया। वहीं पाकिस्तानी एजेंसियों ने अजीजाबाद में हुसैन के घर पर और कराची हेडक्वार्टर पर छापा मारा। हुसैन की पार्टी के ही नेताओं ने उनसे दूरी बना ली और पार्टी के संविधान से उनका नाम भी हटा दिया। वहीं 2019 में ब्रिटिश पुलिस ने भी उनपर हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगाया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 2022 में एक अदालत ने उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया।

भोजन-पानी भी नहीं हो रहा नसीब, गाजा में सहायता केंद्रों के पास 798 लोगों की मौत, रिपोर्ट ने चौंकाया

गाजा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गाजा में मचे कत्लेआम पर ताजा रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया कि गाजा में पिछले छह हफ्ते में सहायता वितरण केंद्रों और काफिलों के पास 798 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 615 मौतें अमेरिका और इजरायल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के केंद्रों के आसपास हुईं। 183 मौतें अन्य राहत समूहों के काफिलों के रास्ते में हुईं। ओएचसीएचआर के अनुसार, अधिकांश घायलों को गोली लगने से चोटें आईं। यह स्थिति मानवीय निष्पक्षता के मानकों का उल्लंघन करती है। संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ के सहायता मॉडल को स्वाभाविक रूप से असुरक्षित करार दिया है और इसे अत्याचार अपराधों से जोड़ा है।

जीएचएफ ने संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों को झूठा और भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया। इसने दावा किया कि सबसे घातक हमले संयुक्त राष्ट्र के काफिलों से जुड़े हैं। जीएचएफ का कहना है कि उसने पांच सप्ताह में गाजा में 7 करोड़ से अधिक भोजन पैकेट बांटे गए हैं, जबकि अन्य मानवीय समूहों की सहायता को हमास या आपराधिक गिरोहों ने लूट लिया। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र ने सहायता लूट की घटनाओं की पुष्टि की है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने बताया कि गाजा में भोजन ले जाने वाले ज्यादातर ट्रकों को भूखे लोगों ने रोक लिया।

सुरक्षा के उठाए गए कदम मगर : इजरायल ने कहा कि वह अपने सैन्य अभियानों के दौरान सहायता आपूर्ति को हमास के हाथों में जाने से रोकने के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें बाड़ और संकेत लगाना शामिल है। हालांकि, गाजा में 21 महीने से चल रही सैन्य कार्रवाई के कारण भोजन और अन्य बुनियादी आपूर्तियों की भारी कमी हो गई है। 23 लाख की आबादी में से अधिकांश विस्थापित हो चुके हैं। ओएचसीएचआर ने सहायता प्राप्त करने की कोशिश में मारे गए लोगों की जांच की मांग की है, ताकि इन हिंसक घटनाओं की वजहों का पता लगाया जा सके।

भारत में घुसपैठ के लिए नेपाल पर पाकिस्तानी आतंकियों की नजर, टॉप अफसर की चेतावनी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने पाकिस्तान आधारित आतंकवाद को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन (जैसे- लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद) भारत में कई हमलों के लिए जिम्मेदार हैं। ये नेपाल को भारत पर हमले के लिए आवाजाही मार्ग के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। थापा ने यह बात काठमांडू में नेपाल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एंगेजमेंट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कही। इस उच्च-स्तरीय सेमिनार का विषय दक्षिण एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए चुनौतियां रखा गया था।

कार्यक्रम में रणनीतिक विशेषज्ञों, राजनयिकों और शिक्षाविदों ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाला आतंकवाद दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने बताया कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का नेपाल की आंतरिक सुरक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। सेमिनार में पाकिस्तान को आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया, जिसने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन को कमजोर किया है। इसने क्षेत्रीय एकजुटता को भी बाधित किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ जमकर बोला हमला : एनआईआईसीई के निदेशक डॉ. प्रमोद जायसवाल ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ के हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता और फंड करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में आतंकवाद का केंद्र रहा है। वहीं, नेपाल के पूर्व मंत्री शिशिर खनाल ने भारत की ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की, इसे सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ साहसी और आवश्यक कदम बताया। पूर्व नेपाल प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. दिनेश भट्टाराई ने कहा कि पहलगाम हमला हाल के वर्षों में सबसे घातक हमला था, जिसमें एलईटी की ओर से 26 नागरिक मारे गए। इनमें एक नेपाली नागरिक सुमित्रा कार्की भी शामिल थीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन ज्वेलर्स लूट और मर्डर केस

पकड़े गए एक आरोपी का किया गया 'रिकंस्ट्रक्शन', भारी भीड़ जमा

अन्य तीन आरोपियों की तलाश में पुलिस बिहार रवाना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में 7 जुलाई, 2025 को श्रीनाथजी ज्वेलर्स में लूट के साथ हत्या की घटना हुई थी। रात करीब साढ़े आठ से पौने नौ बजे के बीच चार लुटेरे रिवॉल्वर जैसे हथियारों के साथ दुकान में घुसे थे। दुकान में मौजूद आशिष राजपारा ने जब विरोध किया तो एक लुटेरे ने उस पर दो राउंड फायरिंग कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

इस वारदात के दौरान चारों लुटेरों में से दीपक पासवान नाम के एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और जमकर पीटा था। गंभीर रूप से घायल आरोपी को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया था। इलाज के बाद उसकी तबीयत में सुधार हुआ तो सचिन पुलिस ने उसे अपनी कस्टडी में ले लिया।

पुलिस ने आरोपी को अपनी हिरासत में लेने के बाद उसे घटनास्थल पर ले जाकर 'रिकंस्ट्रक्शन' की कार्रवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए थे। पुलिस इस प्रक्रिया के ज़रिए घटना की कड़ियों को जोड़ने और फरार लुटेरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, लूट और हत्या की इस वारदात के बाद चार में से एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया था। उसे बुरी तरह पीटा गया, जिससे वह बेहोश हो गया था। पुलिस ने रिकंस्ट्रक्शन के दौरान आरोपी से यह जानकारी हासिल की कि बाकी लुटेरे किस दिशा में भागे थे। इसके अलावा, पुलिस को फरार तीन आरोपियों के नाम, ठिकाने और पते की भी जानकारी मिल गई है।

अब पुलिस इन तीनों फरार आरोपियों की तलाश में बिहार रवाना हो गई है।

सूरत खाड़ी पर बने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

पालिका ने हाल ही में खाड़ी के पानी के प्रवाह को रोकने वाले अवैध कलवर्ट और पुराने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले कुछ वर्षों से खाड़ी में बाढ़ की समस्या देखी जा रही है, जिससे लाखों लोग परेशान होते हैं और करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। इस खाड़ी-बाढ़ की समस्या को दूर करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के अध्यक्ष के रूप में म्युनिसिपल कमिश्नर की नियुक्ति होते ही पालिका प्रशासन एक्शन में आ गया है। पालिका ने हाल ही में खाड़ी के पानी के प्रवाह को रोकने वाले अवैध कलवर्ट और पुराने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की है। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान पालिका को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

सूरत शहर में कई स्थानों पर खाड़ी में बाढ़ आ चुकी है, जिससे लोगों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उनका गुस्सा बढ़ रहा है। इस समस्या के स्थायी और तात्कालिक समाधान के लिए समिति बनाने का निर्देश मंत्री द्वारा दिया गया था। इस समिति में सूरत महानगर पालिका के पांच अधिकारियों सहित कुल 19 सदस्यों को शामिल किया गया है।

जैसे ही म्युनिसिपल कमिश्नर को समिति का अध्यक्ष बनाया गया, पालिका ने तुरंत खाड़ी में अतिक्रमण हटाने और सफाई की कार्रवाई शुरू कर दी। परंतु इस प्रक्रिया में नए-नए संकट सामने आ रहे हैं।

हाल ही में किए गए एक सर्वे में यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि खाड़ी के प्रवाह में सबसे ज्यादा रुकावट सूरत के सरथाणा ज़ोन में है, जहाँ 20 अवैध ब्रिज और कलवर्ट बने हैं। इसके अलावा लिंबायत ज़ोन में 4 से 5 और उधना ज़ोन में 5 अवैध ब्रिज व कलवर्ट हैं, जो खाड़ी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करते हैं। इनमें से कुछ ब्रिजों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त, अठवा ज़ोन में कांकरी खाड़ी पर बमरौली और क्षेत्र को जोड़ने वाली खाड़ी के डाउनस्ट्रीम हिस्से में सिल्ट जमा हो गई है। खाड़ी का अपस्ट्रीम भाग लगभग 100 मीटर चौड़ा है, जबकि डाउनस्ट्रीम प्रवाह केवल 50 से 60 मीटर रह गया है। इसलिए ज़ोन की टीम ने खाड़ी के किनारे जमा हुई मिट्टी को हटाने का कार्य शुरू किया। हालांकि, खाड़ी के आसपास कीचड़ होने के कारण पालिका को इस कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। 3700 वर्ग मीटर क्षेत्र में यह मिट्टी जमा है, लेकिन पोकलैंड मशीन को किनारे तक पहुँचाने में कठिनाई हो रही है। फिलहाल अठवा, लिंबायत और उधना ज़ोन में कार्रवाई की जा रही है। यह कार्य लंबे समय तक चल सकता है और कार्य के दौरान कई नई चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

सबसे पहले लाइफ़ इंश्योरेंस" अभियान की मदद से बीमा जागरूकता समिति "सबसे पहले सुरक्षा" पर आधारित वित्तीय योजना को बढ़ावा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई,दिसंबर 2023 के एनआईए अध्ययन (i) के अनुसार, भारत एक उल्लेखनीय जीवन बीमा सुरक्षा की कमी से जूझ रहा है। इस कमी का अंतर 2019 में 83त्न से बढ़कर 2023 में 87% हो गया है। 18 से 35 वर्ष की उम्र के लोगों में 90% से ज़्यादा की यह कमी और भी ज़्यादा साफ़ तौर पर दिखाई देती है। यह बढ़ती असुरक्षा परिवारों की वित्तीय सुरक्षा (फ़ाइनैंशियल सेक्योरिटी) और उम्मीदों के लिए एक गंभीर खतरा है।

इसकी व्यापक्ता से जुड़ी चुनौती से निपटने के लिए ही भारत में सभी जीवन बीमा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली "बीमा जागरूकता समिति" (इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी) ने अपने राष्ट्रीय अभियान "सबसे पहले लाइफ़ इंश्योरेंस" के अगले चरण की शुरुआत की है। यह पहल हर भारतीय को एक नए उत्साह के साथ लाइफ़ इंश्योरेंस को अपनी वित्तीय यात्रा की बुनियाद मज़बूत बनाने, बढ़ती जागरूकता को सार्थक कार्रवाई में बदलने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

अपने मूल में, यह अभियान बुनियादी वित्तीय सुरक्षा की उपेक्षा करते हुए बचत और निवेश को प्राथमिकता देने की आम आदत को चुनौती देता है। यह इस पर ज़ोर देता है कि लाइफ़ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) किसी भी सुरक्षित वित्तीय योजना की शुरुआत होनी चाहिए। क्योंकि इससे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने और सेवानिवृत्ति जैसे लॉन्ग-टर्म लक्ष्य हासिल करने के लिए एक मज़बूत आधार मिलता है।

भरोसेमंद कहानी सुनाने और भावनात्मक रूप से दिल-दिमाग में बैठने वाले आख्यानों के ज़रिए, यह अभियान रोज़मर्रा के उन पलों में जान फूँक देता है जो सही मायनों में दाँव पर लगे हैं। यह अभियान न सिर्फ़ एक अनुबंध के रूप में, बल्कि जीवन के एक औज़ार के रूप में लाइफ़ इंश्योरेंस को उसकी खास जगह देता है, जैसे सपनों की रक्षा करना, परिवारों का सहारा बनना और मन की शांति देना।

उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव लाने और जीवन बीमा समाधानों के बारे में जागरूकता फैलाने और इसकी पहुँच बढ़ाने के लिए इस अभियान की योजना एक साल तक चलने वाली एक नई पहल के रूप में तैयार की गई है। इसकी पहुँच लोगों तक हो और उन्हें यह हमेशा याद रहे, इसके लिए इसे टेलीविज़न, डिजिटल, प्रिंट, आउटडोर आदि सहित कई मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर लागू किया जाएगा।

इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (IAC-Life) के एक सदस्य ने कहा, "सबसे पहले तो यह जान लें कि लाइफ़ इंश्योरेंस" सिर्फ़ एक नारा नहीं है, बल्कि यह समय की एक साफ़-साफ़ पुकार है कि हम वित्तीय योजना से कैसे जुड़ते हैं, उसके लिए क्या करते हैं। हम अक्सर धन कमाने की कोशिशों में उसकी सुरक्षा को नज़रअंदाज़ करते हैं और यह सोचते हैं कि "बाद में देखा जाएगा।" इस अभियान का उद्देश्य इसी मानसिकता को बदलना है।

धन कमाने के बाद उसे बचाना भी ज़रूरी होता है। यह वित्तीय सुरक्षा को सबसे पहले रखना का मामला है, अपने सपने पूरे करने से पहले उनकी सुरक्षा पक्की करने का मामला है। जिस तरह हर संरचना को एक मज़बूत बुनियाद की ज़रूरत होती है, उसी तरह हमें हर वित्तीय योजना को लाइफ़ इंश्योरेंस के आधार पर रखना चाहिए। हमारा लक्ष्य जागरूकता को कार्रवाई में बदलना है, यह पक्का करना है कि कोई भी भारतीय परिवार आर्थिक रूप से परेशान न हो।"

इस अभियान का उद्देश्य लाइफ़ इंश्योरेंस को "एक ऐसा अच्छा विकल्प होना चाहिए" के बजाय "वित्तीय योजना का सबसे पहला घटक होना चाहिए" के रूप में बदलना है। इस चरण के हिस्से के रूप में, बीमा जागरूकता समिति ने च्चडिजिटल नॉलेज हब" https://www.sabsepehlelifeinsurance.com/ भी तैयार किया है, जो अभियान के एक प्रमुख घटक के रूप में काम करता है।

यह पोर्टल आसान और मूल्यवान संसाधन मुहैया करवाएगा जो लोगों को कवरेज की ज़रूरतें पूरी करने और उन्हें जानकारी से भरपूर विकल्प बनाने के लिए तैयार करेगा।

यह पहल सुरक्षा की कमियों को कम करने की व्यापक कोशिशों के साथ भी जुड़ती है, जिसमें IRDAI का 2024 का आदेश शामिल है और इसमें जीवन बीमाकर्ताओं को 25,000 ग्राम- पंचायतों (ii) में कम से कम 10% ज़िंदगियों को कवर करने की ज़रूरत है। ये कोशिशें इस पूरे जीवन बीमा उद्योग में व्यापक सुधारों के लिए बेहद ज़रूरी होंगी और जो विश्वास में सुधार करेंगी। साथ ही, यह सकारात्मक धारणाओं को भी मज़बूत बनाएँगी। IRDAI ने भारतीय बीमा सांख्यिकी 2023-24 पर अपनी हैंडबुक में खुलासा किया है कि भारत के बीमाकर्ताओं ने संचयी रूप से, वित्तवर्ष 2023-24 के लिए जीवन बीमा पॉलिसी के 96.82% दावों का निपटान 30 दिनों (iii) के भीतर किया है। यह उद्योग, वर्तमान में 9.5% CAGR (iv) की दर से बढ़ रहा है और अगले दशक में 10.5% (1) की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह अधिकांश वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

हम सभी यह जानते हैं कि भारत 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने का अपना लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इसी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सहयोग देने के लिए "बीमा जागरूकता समिति" लाइफ़ इंश्योरेंस को पहला कदम बनाकर अपने परिवार के भविष्य की रक्षा के लिए हर एक भारतीय को प्रोत्साहित करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने सूरत सर्किट हाउस में

156 आवेदकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनकर समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने सूरत सर्किट हाउस में नागरिकों के साथ जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित कर 156 आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके सुखद समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

श्री संघवी दोपहर में सूरत सर्किट हाउस पहुंचे और वहां नागरिकों से सीधे रूबरू मिले। इस जनसंपर्क कार्यक्रम में सूरत के विभिन्न इलाकों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं और प्रस्तुतियां रखीं। इन प्रस्तुतियों में स्थानीय प्रशासन से जुड़े मुद्दे, कानून-व्यवस्था, विकास कार्य और व्यक्तिगत समस्याएं जैसे विभिन्न विषयों का समावेश था।

मंत्री ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और जहां संभव हो वहां तत्काल समाधान लाने के आदेश दिए। इस प्रयास के अंतर्गत 156 आवेदकों की समस्याओं के समाधान हेतु निर्देश जारी किए गए, जिससे नागरिकों में संतोष की भावना देखने को मिली।

गृह राज्य मंत्री द्वारा नियमित रूप से ऐसे जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जो प्रशासन को लोगों के करीब लाने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। सूरत में आयोजित कार्यक्रम में भी मंत्री श्री की कार्यकुशलता और संवेदनशीलता स्पष्ट रूप से नजर आई।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के श्याम कुंज हॉल में सुबह ग्यारह बजे से किया गया। सभा की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित करके की गई। इसके पश्चात ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार में स्वागत भाषण देते हुए सभी का स्वागत किया। सभा में ट्रस्ट के सचिव अनिल शोरेवाला द्वारा पूरे वर्ष के दौरान किए गए कार्यों एवं भावी योजनाओं के बारे में बताया गया। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन द्वारा गत वर्ष के आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। सभा में नवनियुत महिला एवं युवा शाखा के अध्यक्षों का सम्मान किया गया। सभा के अंत में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। ट्रस्ट द्वारा आयोजित वार्षिक साधारण सभा में ट्रस्ट के आईपीपी संजय सरावगी, सहसचिव दिनेश बंसल, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक) सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

'तुझसे शुरू की मोहब्बत, तुझ पर ही खत्म कर दूंगा'

सूरत में युवक ने इंस्टा पर एक के बाद एक तीन रील डालकर की आत्महत्या,तीन साल पहले की थी लव मैरिज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलथाण इलाके में रहने वाले 27 वर्षीय राहुल नगीन कुशवाहा नामक युवक ने इंस्टाग्राम पर तीन भावुक रील पोस्ट करने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल छा गया है।

तीन साल पहले की थी प्रेम विवाह, इंस्टाग्राम पर साझा किया दर्द राहुल कुशवाहा पहले हीरा उद्योग में काम करता था, लेकिन बाद में उसने रिक्शा चलाना शुरू किया था। तीन साल पहले उसने खुशबू नाम की युवती से प्रेम विवाह किया था। बीते कुछ समय से राहुल किसी कारणवश मानसिक तनाव में रह रहा था और अपनी भावनाओं को इंस्टाग्राम के जरिए व्यक्त कर रहा था।

ात्महत्या से पहले राहुल ने इंस्टाग्राम पर तीन रील्स पोस्ट की थीं। इनमें उसने दिल को छू लेने वाली ऑडियो क्लिप्स का इस्तेमाल किया था:

"तुम पर मरता था ना अब वो मरना चाहता है..."

"ज़िंदगी से ऐसे बिछड़ जाएंगे... तलाश करते रहना, तुम कभी लौट कर नहीं आएंगे..."

"बर्बाद कर लूंगा मैं... खुद को पूरी तरह... तुझसे शुरू की थी मोहब्बत, तुझ पर ही खत्म कर दूंगा पूरी तरह..." पत्नी ने पोस्ट देखकर तुरंत घर दौड़ लगाई

राहुल की पत्नी खुशबू उस वक्त एक दुकान में नौकरी पर थी। जैसे ही उसने ये पोस्ट्स देखीं, वह तुरंत पांडेसरा के अपेक्षा नगर स्थित उनके घर पहुंची। वहां राहुल को गंभीर हालत में देखकर तुरंत नई सिविल अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई ।हालांकि, थोड़ी देर इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस घटना को लेकर अलथाण पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। राहुल ने आत्महत्या क्यों की, इसका पता लगाने के लिए पुलिस गहराई से जांच कर रही है। साथ ही राहुल का मोबाइल फोन फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्नस्रु) भेजा गया है, ताकि फोन से उसकी आत्महत्या के पीछे की वजह का खुलासा हो सके।